E-Papar : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 91 | गुवाहाटी | बुधवार, 30 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस के आरोपों को ईसी ने किया खारिज, दी बड़ी नसीहत पेज 2
पूर्वोत्तर में पहली बार बीटीसी भूमि अभिलेखों को डिजिटल करने वाली बनी ... पेज 3
प्रदेश के विकास की गाथा को बयां कर रहे 40 लाख करोड़ के निवेश... पेज 5
गली कूचों से लेकर खो खो विश्व कप तक, सपने जैसा रहा है प्रतीक बाईकर का सफर पेज 7

धनतेरस के अवसर पर माणिकचंद ज्वैलर्स गुवाहाटी के जीएस रोड एवं जू रोड स्थित शोरूम मैं ग्राहकों की अपार भीड़ का दृश्य।

सुप्रभात

शक्तिशाली शत्रु को कमजोर समझकर ही उस पर आक्रमण करें।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

लखनऊ में 11 पुलिस कर्मी लाइन हाजिर

लखनऊ (हि.स.)। जनपद में पुलिस कर्मियों को लेकर आ रही तमाम प्रकार की शिकायतों को संज्ञान लेते हुए पुलिस उपायुक्त पूर्वी शशांक सिंह ने मंगलवार को इंस्पेक्टर समेत 11 पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर किया है। एक पुलिसकर्मी को दूसरी जगह भेजा है। जिन पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर किया है उनमें –शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल के लड़ाकू विमान लेबनान के बाल्बेक में गरजे, 63 मारे गए

बेरूत (हि.स.)। इजराइल के लड़ाकू विमानों ने लेबनान की बेका घाटी के बाल्बेक क्षेत्र में कहर बरपाया है। रॉकेट और मिसाइल हमले में कम से कम से 63 लोग मारे गए और दर्जनों जख्मी हो गए। इसके अलावा दक्षिणी लेबनान में रात भर और मंगलवार सुबह तक हमले जारी रहे। प्रमुख समाचार पत्र द नेशनल ने लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से आज यह जानकारी दी। –शेष पृष्ठ दो पर

इस वर्ष की दीपावली ऐतिहासिक

500 वर्षों के बाद रामलला के मंदिर में भी जलाए जाएंगे हजारों दीये : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष की दीपावली को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि 500 वर्षों के बाद ऐसा अवसर आया है, जब अयोध्या में रामलला की जन्मभूमि पर बने मंदिर में भी हजारों दीप जलाएं जाएंगे। प्रधानमंत्री ने दिल्ली और पश्चिम बंगाल में राज्य सरकारों द्वारा केंद्र की *आयुष्मान भारत योजना* को लागू नहीं किए जाने पर चिंता जताई। धन्वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में आयोजित समारोह में लगभग 12,850 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर देशवासियों को धनतेरस, भगवान धनवंतरि जयंती और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस वर्ष की दीपावली को ऐतिहासिक बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 500 वर्षों के बाद ऐसा अवसर आया है, जब अयोध्या में रामलला की जन्मभूमि पर बने उनके मंदिर में भी हजारों दीप जलाएं जाएंगे। एक अद्भुत उत्सव होगा। ऐसी दीपावली होगी, जब हमारे राम एक बार फिर अपने घर आए हैं, और इस बार ये प्रतीक्षा 14 वर्षों के बाद नहीं, 500 वर्षों बाद पूरी हो रही है। दिल्ली और पश्चिम बंगाल में राज्य सरकारों द्वारा केंद्र की आयुष्मान भारत योजना को लागू नहीं किए जाने पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य सरकारों के राजनीतिक स्वार्थ के कारण बुजुर्गों की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इस दर्द को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते हैं। मोदी ने कहा कि मैं दिल्ली और पश्चिम बंगाल के 70 वर्ष से अधिक उम्र के हर बुजुर्ग से क्षमा मांगता हूं कि मैं आपकी सेवा नहीं कर पाऊंगा। मुझे पता तो चलेगा कि आपको कष्ट है, लेकिन मैं आपकी सहायता नहीं कर पाऊंगा, क्योंकि अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण दिल्ली और पश्चिम बंगाल की सरकार आयुष्मान भारत योजना से जुड़ नहीं रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक –शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में दीवाली और काली पूजा की तैयारियां जोरों पर

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की राजधानी गुवाहाटी में दीवाली एवं काली पूजा की तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है। पंडाल निर्माण सहित सभी तैयारी में पूजा कमेटी के लोग जुड़े हुए हैं। काली पूजा को लेकर प्रतिमा को अंतिम रूप देने में मूर्तिकार जुटे हुए हैं। हिंदू धर्म में देवी काली को बहुत पूजनीय माना जाता है। काली पूजा में मां काली की पूजा की जाती है। इस दिन काली पूजा को श्यामा और महानिशी पूजा के नाम से भी जाना जाता है। यह पूजा कार्तिक महीने में अमावस्या की रात को की जाती है। इस बार काली पूजा 31 अक्तूबर दिवाली की रात को होगी। जबकि बहु संख्यक लोग दिवाली पर देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। असम की राजधानी गुवाहाटी के बहुत स्थानों पर काली पूजा का आयोजन किया गया है। राजधानी के पांडू इलाके में स्थानीय पूजा समितियां काली पूजा मनाने में व्यस्त हैं। प्रमुख पूजा समितियों ने अपने-अपने पंडाल बनाने और मूर्तियों को सजाने के लिए बजट तय कर काली पूजा का आयोजन किया। पांडू कॉलोनी नंबर 4 में काली पूजा दक्षिणेश्वर मंदिर की तर्ज पर पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। क्लब के अध्यक्ष जॉन सैकिया, रिकी मल्लिक और महासचिव आशीष धर, उप्पल मजूमदार ने बताया कि उनका बजट 10 लाख रुपए है। स्थानीय कुम्हार गौरांग पाल 15 फीट की श्यामा की –शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान में बेकाबू बस पुलिया से टकराई, 12 की मौत

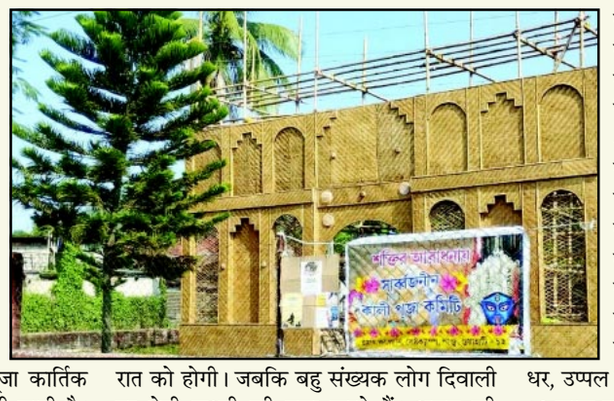

जयपुर/सीकर (हि.स.)। राजस्थान के सीकर के लक्ष्मणगढ़ थाना इलाके में मंगलवार को एक बेकाबू बस पुलिया से टकरा गई। इस हादसे में ग्यारह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को लक्ष्मणगढ़ और सीकर के अस्पताल पहुंचाया। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर संवेदना व्यक्त की है। पुलिस के अनुसार बस सुजानगढ़ से वाया सालासर-लक्ष्मणगढ़-नवलगढ़ जा रही थी। बस की रफ्तार तेज होने के कारण बस एक घुमाव में नहीं घुम पाई और सामने पुलिया से टकरा गई। फिलहाल, घायलों को जिला अस्पताल लक्ष्मणगढ़ पहुंचाया गया है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। लक्ष्मणगढ़ थाने के एएसआई रामदेव सिंह ने बताया कि यात्रियों से भरी एक –शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री ने 51 हजार युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को धनतेरस के मौके पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले में 51 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने धनतेरस की बधाई देते हुए कहा कि रोजगार मेले में 51 हजार नौजवानों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंप कर हर्ष की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में कदम रखने वाले सभी युवाओं को ढेर सारी शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को भारत सरकार में स्थायी सरकारी नौकरी देने का सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में भी लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। अभी-अभी हरियाणा में तो नई सरकार बनते ही 26 हजार युवाओं को नौकरी का –शेष पृष्ठ दो पर

भारत-चीन सेनाओं की डेप्सांग और डेमचोक से वापसी प्रक्रिया लगभग पूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत-चीन सीमा के पूर्वी लद्दाख सेक्टर के डेप्सांग और डेमचोक इलाकों में दोनों ओर से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। फिलहाल भारत और चीन की सेनाएं एक-दूसरे द्वारा वहां पीछे हटने और बुनियादी ढांचे को हटाने का सत्यापन कर रही हैं। रक्षा सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि भारत और चीन की सेना की पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। दोनों देशों के बीच बनी सहमति के तहत सैन्य वापसी के लिए आज तक की समय सीमा तय की गई थी। –शेष पृष्ठ दो पर

दिवाली से पहले केरल में दर्दनाक हादसा, 150 से अधिक घायल; मंदिर समिति के सदस्यों पर एफआईआर

थिरुवनंदपुरम। दिवाली के उत्सव से पहले केरल में दर्दनाक हादसा होने की सूचना है। सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात केरल के कासरगोड में हुए हादसे में 150 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। पुलिस ने बताया कि घायलों में से आठ लोगों की हालत गंभीर है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, पटाखों के भंडारण में आग लगने से यह हादसा हुआ। सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात को कासरगोड जिले के नीलेश्वरम के पास *अंजूतामबलम वीरकावु मंदिर* में उत्सव के दौरान आतिशबाजी में विस्फोट होने से कम से कम 154 लोग घायल हो गए, जिनमें से आठ गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना वार्षिक अनुष्ठान कार्यक्रम *कलियाट्टम* के दौरान हुई, जिसे *थेय्यम* के नाम से भी जाना जाता है। इस अनुष्ठान कार्यक्रम में हजारों लोग शामिल हुए थे। विस्फोट उस वक्त हुआ जब पटाखों को स्टोर करने वाले शेड के अंदर चिंगारी गिरी, जिसे पटाखों के पूरे भंडारण में आग लग गई और तेज धमाका हुआ। पटाखा भंडारण की जगह आतिशबाजी की जगह से 100 मीटर दूरी पर थी। पुलिस ने बताया कि जब आतिशबाजी हो रही थी तो एक चिंगारी पटाखा भंडारण वाली जगह गिरी और उससे धमाका हो गया। इस हादसे में कई लोग झुलस गए। वहीं इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मंदिर समिति के आठ – शेष पृष्ठ दो पर

दिवाली से पहले राम मंदिर समेत कई धार्मिक स्थलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिवाली के नजदीक आते ही आतंकियों द्वारा हमलों की धमकियों ने देशभर की सुरक्षा एजेंसियों को सचेत कर दिया है। खासकर अयोध्या का राम मंदिर, उज्जैन का महाकाल मंदिर, और तिरुपति का इस्कॉन मंदिर आतंकियों के निशाने पर हैं। पुलिस को ईमेल और चिट्ठियों के माध्यम से इन मंदिरों पर हमले की चेतावनी मिली है, जिसके चलते सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है। अयोध्या में दो दिन बाद दीपोत्सव मनाया जाएगा, जहां भगवान रामलला पहली बार अपने घर पर दिवाली मनाएंगे। लाखों भक्त इस मौके का हिस्सा बनने के लिए अयोध्या पहुंच रहे हैं। इस आयोजन के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जिसमें श्रद्धालुओं की कई स्तरों पर जांच की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी सुरक्षा की निगरानी की जा रही है। इस बीच, अयोध्या पुलिस ने रफीक नाम के एक व्यक्ति –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कांग्रेस के आरोपों को ईसी ने किया खारिज, दी बड़ी नसीहत

नई दिल्ली। हरियाणा चुनाव में किसी भी तरह की अनियमितता के बारे में कांग्रेस के आरोपों को चुनाव आयोग ने निराधार, गलत और तथ्यहीन बताते हुए खारिज कर दिया। आयोग ने कांग्रेस पार्टी को चुनाव दर चुनाव निराधार आरोप लगाने से बचने के लिए पत्र लिखा; पार्टी को *सामान्य* संदेह फैलाने के लिए आड़े हाथों लिया और कांग्रेस से इस तरह की प्रवृत्ति को रोकने के लिए दृढ़ और ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। चुनाव आयोग ने कांग्रेस से आग्रह किया कि मतदान और मतगणना के दिनों जैसे संवेदनशील समय पर गैर-जिम्मेदाराना आरोप लगाने से सार्वजनिक अशांति, अशांति और अराजकता पैदा हो सकती है। पिछले एक साल में 5 विशिष्ट मामलों का हवाला देते हुए, चुनाव आयोग ने लंबे समय से अनुभव रखने वाली राष्ट्रीय पार्टी से उचित परिश्रम करने और बिना किसी सबूत के चुनावी संचालन पर आदतन हमले करने से बचने के लिए कहा। सभी 26 विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा गहन पुनर्सत्यापन के बाद, ईसीआई ने कांग्रेस

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखा कि हरियाणा में चुनावी प्रक्रिया का प्रत्येक चरण त्रुटिहीन था और कांग्रेस उम्मीदवारों या एजेंटों की निगरानी में किया गया था। ईसीआई अधिकारियों के जवाब में 1642 पृष्ठों के साक्ष्य शामिल हैं कि कांग्रेस उम्मीदवारों के अधिकृत प्रतिनिधि सभी चरणों में मौजूद थे, जिसमें कमीशनिंग के समय बैटरी रखना और उसके बाद 7-8 दिनों तक लगातार गिनती खत्म होने तक शामिल था। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा चुनाव में अनियमितता के बारे में कांग्रेस पार्टी की सभी शिकायतों को भी खारिज कर दिया। ईवीएम में बैटरी की स्थिति के प्रदर्शन के बारे में पूरी तरह से बाहरी बातों को खारिज करते हुए, ईसीआई ने स्पष्ट किया कि बैटरी वोल्टेज और क्षमता का ईवीएम मतगणना संचालन और अखंडता से कोई प्रासंगिकता या संबंध नहीं है। कंट्रोल यूनिट पर बैटरी की स्थिति का प्रदर्शन पूरी तरह से तकनीकी टीमों को बिजली के स्तर की निगरानी करने में सहायता करने के लिए एक सुविधा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मतदान संचालन के दौरान उपकरण सुचारू रूप से काम करता है। आयोग ने कहा कि ऐसा कोई भी आरोप कि बैटरी का स्तर मतदान के परिणामों को प्रभावित करता है, हास्यास्पद है। फिर भी, ईसीआई ने अपनी वेबसाइट पर ईवीएम बैटरी पर विस्तृत स्वक्त जारी किया है, ताकि किसी भी वास्तविक प्रश्न का उत्तर दिया जा सके, जिसमें

सख्ती का नहीं दिखा असर

एयर इंडिया, इंडिगो सहित 100 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (हि.स.)। सरकार और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की सख्त नियमों के बावजूद विमानों को बम की धमकियां लगातार मिल रही हैं। मंगलवार को एयर इंडिया, इंडिगो और विस्तार एयरलाइनों द्वारा संचालित 100 से जयादा उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें अधिकांश धमकियां सोशल मीडिया मंच के जरिए जारी की गईं हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आज टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया के करीब 36 उड़ानों और इंडिगो के 35 उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। वहीं, विस्तारा की 32 उड़ानों में भी बम रखे होने की धमकी मिली है। पिछले 16 दिनों में 510 से ज्यादा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को बम की धमकियां मिल चुकी हैं। हालांकि, एयरलाइंस कंपनियों को मिलीं ये सभी धमकियां जांच में फर्जी निकलीं। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने जारी एक बयान में कहा कि उनकी ज्यादातर उड़ानों को बम की धमकी सोशल मीडिया पर मिली। प्रवक्ता ने कहा कि धमकी मिलने पर निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत संबंधित अधिकारियों और विभागों को अलर्ट किया गया। इसके साथ ही नियामक प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार सुरक्षा संबंधी जांच पड़ताल की गई। विशाखापत्तनम एयरपोर्ट के निदेशक राजा रेड्डी ने एक बयान में कहा कि आज शाम करीब 5:38 बजे इंडिगो के स्टेशन मैनेजर ने बताया कि उन्हें अपने क्षेत्रीय सुरक्षा प्रमुख से एक आईडी AdamLan5a202 से बम की धमकी वाला ट्वीट मिला है, जिसमें भेजने वाले ने 6E917 MAA-VTZ सहित इंडिगो एयरलाइंस की कई उड़ानों का जिक्र किया है। इसके तुरंत उड़ानों को आइसोलेशन बे में शिफ्ट कर दिया गया और एसओपी के अनुसार सुरक्षा जांच की जा रही है। इसबीच एक अधिकारी ने कहा कि तीन एयरलाइनों को उनके एक्स हैंडल पर बम से उड़ानें की धमकी मिलने के बाद मुंबई की पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि एयर इंडिया, इंडिगो और विस्तारा एयरलाइनों को सोमवार को धमकियां मिली थीं। हालांकि, ये सभी अफवाह निकली हैं। एयरलाइंस को बम से उड़ाने की धमकी के मामले में मुंबई पुलिस ने अक्तूबर में 14 एफआईआर दर्ज की हैं। उल्लेखनीय है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय भी विमानन कंपनियों को बम से उड़ाने की झूठी धमकियों से निपटने के लिए विधायी कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। इस बीच नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने जारी बयान में कहा कि हम उन अपराधियों पर प्रतिबंध लगाने के लिए सख्त कदम उठाएंगे, जो बम की झूठी धमकियां देते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल ने बच्चों के साथ मनाई दीपावली

मुरादाबाद (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल ने मंगलवार को संकटमोचन पार्क में जरूरतमंद बच्चों के साथ दीपावली मनाई। कार्यक्रम में पहुंचे 250 से अधिक बच्चों को किट वितरित की गई। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के महानगर महामंत्री अमित अग्रवाल ने बताया कि दीपावली किट में लक्ष्मी माता, गणेश भगवान व हनुमानजी की मूर्ति, स्टीकर, मोमबत्ती, दीपक, झालर, पटाखे, खिलौने और मिठाई का डिब्बा, चाकलेट आदि सामान है। राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष रोहन सक्सेना ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया की अपील पर कार्यकर्ताओं ने उन परिवार के लोगों के लिए किट का इंतजाम किया है, जो परिवार आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण दीपावली का पर्व धूमधाम से नहीं मना पाते हैं।

धनतेरस पर पीएम ने फरीदाबाद को दी 13 हजार करोड़ रुपए की बड़ी सौगात

फरीदाबाद (हिंस)। नौवें आयुर्वेदिक दिवस के अवसर पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम में देशभर की 13 हजार करोड़ रुपए की स्वास्थ्य परियोजनाओं का शिलान्यास एवं शुभारंभ किया। इनमें फरीदाबाद की कई योजनाएं शामिल हैं। इनमें प्रमुख रूप से फरीदाबाद के ईएसआई अस्पताल को 1150 बेड का बनाने, ईएसआई अस्पताल के परिसर में 625 करोड़ रुपए की लागत से बेसमेंट सहित दस मंजिला नई इमारत बनाने, गांव फतेहपुर बिल्लोच में एम्स की 15 बेड क्षमता की सीएचसी का निर्माण करवाने और बल्लभगढ़ स्थित एम्स के सब हेल्थ सेंटर में अनुसंधान के लिए एयर पॉल्यूशन ऑन हेल्थ का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने की घोषणा शामिल है। इस मौके पर बल्लभगढ़ स्थित एम्स के सब हेल्थ सेंटर में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम व संबोधन का वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। सब हेल्थ सेंटर में हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती राव के अलावा बल्लभगढ़ के विधायक एवं पूर्व मंत्री मूलचंद शर्मा, पृथला के विधायक रघुवीर तेवतिया, उपायुक्त विक्रम सिंह, पुलिस आयुक्त ओपी नरवाल, सीईओ जिला परिषद सतबीर मान, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज तथा एम्स की एचओडी डॉक्टर किरण गोस्वामी, सीएमओ डॉ. अशोक कुमार मौजूद रहे। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने धनतेरस के दिन प्रधानमंत्री को हरियाणा के लिए सौगात देने का स्वागत किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि हरियाणा प्रदेश में चिकित्सा सेवाओं को धरातल पर और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आयुष्मान भारत जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाएं स्वास्थ्य के क्षेत्र में चलायी जा रही हैं। उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले समय में हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में लोगों को समय पर आधुनिक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हों। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद में इस समय 650 बेड का ईएसआई अस्पताल है।

वक्फ नोटिस के चलते किसी किसान को बेदखल नहीं किया जाएगा : सिद्धारमैया

नई दिल्ली (हि.स.)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आज कहा कि वक्फ संबंधित नोटिस के चलते किसी भी किसान को उसकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा। अगर किसानों को नोटिस जारी किया गया है तो उसे वापस लिया जाएगा। उन्होंने विजयपुर, यादगिरि और धारवाड़ जिलों में वक्फ संपत्ति के रूप में किसानों को दिए गए नोटिस के बारे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक प्रश्न का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्व मंत्री कृष्णाबैरे गौड़ा, विजयपुर जिला प्रभारी मंत्री एमबी पाटिल और वक्फ मंत्री जमीर अहमद ने कल संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर इस बारे में सफाई दी है।

कोर्ट में जिला जज से वकील ने की बदसलूकी पुलिस का लाठीचार्ज, कई वकील घायल

गाजियाबाद (हि.स.)। दिल्ली से सटे गजियाबाद की जिला कोर्ट में मंगलवार को एक जमानत के मामले में अधिवक्ता व जिला जज के बीच जमकर बहस हो गई। जिसके बाद जमकर हंगामा हुआ। भारी हंगामे के बीच पुलिस के पहुंचने पर मामला और ज्यादा बढ़ गया। जिसके बाद पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा, जिससे कई वकील घायल हो गए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश अधिवक्ता एसोसिएशन ने बताया कि जिला जज अनिल कुमार की कोर्ट में मंगलवार सुबह एक जमानत अर्जी ट्रांसफर करने की मांग पर जिला जज अनिल कुमार और पूर्व बार अध्यक्ष नाहर सिंह यादव के बीच बहस हो गई। इसके बाद जिला जज डायस से नीचे आ गए। आरोप है कि कहा सुनी के बाद जिला जज से बदसलूकी की गई। भारी हंगामे के बीच कोर्ट रूम में पुलिस को बुलाना पड़ा। वकीलों ने हंगामे के दौरान कामकाज बंद कर दिया। सूचना मिलते ही ग्राउंड फ्लोर पर तैनात पीएसी के जवान भी पहुंच गए और जमकर लाठी चार्ज किया। इसी दौरान कचहरी में भगदड़ मच गई, जिसके बाद वकीलों ने जिला न्यायालय में वकीलों ने नारेबाजी शुरू कर दी। इसी बीच पुलिस चौकी में आग लगने की सूचना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
ANDROLOGIST & MALE INFERTIITY
Dr.Vilvapathy S.Karthikeyan MS.,MRCS(Ed).,MCH(UROL)FAIS
WILL BE AVAILABLE FOR CONSULTATION AT GUWAHATI
ON 9th November'2024
Patients suffering from Erectile dysfunction,Preature ejaculation, Low sperm count, Azoospermia, Varicocele, Long Standing Testis pain, Pain after ejaculation, Thin stream of urine, Blood in semen, Semen in urine, infections in semen, Thin semen etc may register their names in advance at:
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph : 8404037649, 03613102669, 0361-3102166

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
CONSULTANT PSYCHIATRIST
Dr. Bhargav Sirivelu
MD,Neuro Psychiatry
Will be available only for consultation at Guwahati
on 9th November'2024
Patients with Mental Health problem,Headaches, Neurology problems, Alcohol, smoking & other addictions, sex & related problems in couples, Young men & women, Fear, Stress, anger management, depression, suicidal ideas, bipolar disorder,schezophrenia, sleep disorders, Psychological behavioural problems, Old age memory & Psychology & other problems can call:
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

राम की दिवाली में जलेंगे रहमान के दीये, ग्राहकों-दुकानदारों में जबरदस्त उत्साह

नई दिल्ली। धनतेरस और दिवाली का त्योहार पूरे देश में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। महंगाई के बाद भी लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं और अपना घर सजाने और अपने प्रियजनों को उपहार देने के लिए अपनी हैसियत से बढ़कर खर्च कर रहे हैं। भगवान गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां, दीयों, सजावटी झालरों, झाड़ू, कपड़े, मिठाईयों, बर्तनों से लेकर गहनों तक की दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। बाजार में पैर रखना दूभर हो गया है। दिवाली का त्योहार सनातन धर्म से जुड़ा माना जाता है, लेकिन मुस्लिम समुदाय के लोग भी खूब बढ़चढ़कर दिवाली का त्योहार मना रहे हैं। दीवाली की सजावट की वस्तुओं को बनाने में सबसे अधिक कारीगर मुसलमान समुदाय के लोग ही हैं। यानी *राम की दीवाली* में *रहमान के दीये* जल रहे हैं और इसी गंगा-जमुनी तहजीब के साथ पूरे देश में दिवाली-धनतेरस का यह त्योहार खूब हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। दिये बेच रहे मोहम्मद शाह ने अमर उजाला को बताया कि अभी दिवाली के त्योहारों की शुरुआत ही हुई है, लेकिन अभी से ग्राहक जमकर उनकी दुकान पर आ रहे हैं। खूब बढ़चढ़कर दीपक खरीद रहे हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार दीयों के दाम कुछ अधिक हैं, लेकिन इसके बाद भी ग्राहक जमकर खरीदारी कर रहे हैं। अभी दीवाली का त्योहार तीन दिन है, इसके बाद कुछ लोग देव दीपावली का त्योहार भी मनाते हैं, तब तक दीयों की बिक्री चलती रहेगी। दीये खरीद रही स्मृति ने अमर उजाला को बताया कि इस बार महंगाई ने कुछ परेशान अवश्य कर रखा है, लेकिन इसके बाद भी दिवाली की खुशी में कोई कमी नहीं है। वे पूरे दिन से जमकर खरीदारी कर रही हैं और पूरा घर सजा चुकी हैं, लेकिन खरीदारी कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उन्होंने कहा कि पूरे घर को सजाने के साथ-साथ करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों को साथ जमकर दिवाली मनानी है। उनका पूरा परिवार दिवाली की तैयारियों में लगा हुआ है। लोग अपना घर तो सजा ही रहे हैं, बाजारों में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए बाजारों को भी खूब सजाया गया है। पूरा बाजार सजावटी लड़ियों से पाट दिया गया है। हर तरफ चमकीले पन्नियों से बनी झालरें, रंगीन और इलेक्ट्रॉनिक लाइटें बाजार को विवाहोत्सव जैसा आकर्षक बना दे रही हैं। लोगों के मन में बाजार को देखकर सकारात्मक सोच का असर पड़ रहा है। बाजार के मंडल पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर सुरक्षा को भी मजबूत करने पर ध्यान दे रहे हैं। बाजार में भीड़ बहुत अधिक है। लोग गहनों, बर्तनों और सजावटी वस्तुओं की खरीद में सबसे ज्यादा पैसा खर्च कर रहे हैं। वाहनों के शोरूम पर लोगों की जबरदस्त भीड़ दिखाई दे रही है। छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े शोरुम तक में ग्राहकों की भारी भीड़ है। सीटीआई का अनुमान है कि केवल तीन दिन के दिवाली के त्योहार में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है। दीवाली की खुशियों में बाजार से लेकर ग्राहक तक सराबोर हैं। इससे बाजार के चल पड़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

पृष्ठ एक का शेष

500 वर्षों के बाद ...

समय था, जब इलाज में लोगों के घर, जमीन और गहने सब बिक जाते थे। गंभीर बीमारी के इलाज का खर्च सुनते ही गरीब की आत्मा कांप जाती थी। पैसे की कमी की वजह से इलाज न करा पाने की बेबसी, बेचारगी गरीब को तोड़ कर रख देती थी। उन्होंने कहा कि गरीबों की इस बेबसी को देखते हुए ही आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने तय किया कि गरीब के 5 लाख रुपए तक के इलाज का खर्च सरकार उठाएगी। देश में लगभग 4 करोड़ गरीबों ने आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठाया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय मैंने गारंटी दी थी कि तीसरे कार्यकाल में 70 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान योजना के अंतर्गत लाया जाएगा। आज धनवंतरि जयंती के दिन ये गारंटी पूरी हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब 70 वर्ष से अधिक उम्र के देश के हर बुजुर्ग को अस्पताल में मुफ्त इलाज मिलेगा। ऐसे बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड दिया जाएगा। ये योजना मील का पत्थर साबित होगी। घर के बुजुर्ग के पास आयुष्मान वय वंदना कार्ड होगा, तो परिवार के खर्चे भी कम होंगे, उनकी चिंता भी कम होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के के लिए खुशी की बात है कि आज 150 से ज्यादा देशों में आयुर्वेद दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये आयुर्वेद को लेकर बढ़ रहे वैश्विक आकर्षण का प्रमाण है। ये प्रमाण है कि नया भारत अपने प्राचीन अनुभवों से विश्व को कितना कुछ दे सकता है।

प्रधानमंत्री ने 51 हजार ...

उपहार मिला है। इन दिनों हरियाणा में उत्सव का माहौल है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में हमारी सरकार की विशेष पहचान है। वहां की सरकार नौकरी देती तो है लेकिन बिना खर्ची-बिना पर्ची के। उन्होंने कहा कि दो दिन बाद हम सभी दीपावली का पर्व भी मनाएंगे। इस साल की दीपावली बहुत खास और विशेष है। 500 वर्षों के बाद प्रभु श्रीराम अयोध्या के अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं और उस भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद ये पहली दीपावली है। इस दीपावली की प्रतीक्षा में कई पीढ़ियां गुजर गईं, लाखों लोगों ने बलिदान दिए, यातनाएं झेली। हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं, जो ऐसी विशेष, खास और भव्य दीपावली के साक्षी बनेंगे।

राज्य में दीवाली ...

मूर्ति बना रहे हैं। प्रख्यात कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। पांडू न्यू कॉलोनी लाल माटी विवर्ण वाणी बंधन पूजा समिति की काली पूजा इस वर्ष 27वें वर्ष में प्रवेश कर गई है। अध्यक्ष कमल सरकार, महासचिव राजेश पाल और कोषाध्यक्ष कार्तिक कर ने कहा कि इस साल स्थानीय कुम्हार सुकुमार पाल द्वारा बनाई गई साढ़े सात फीट ऊंची श्यामा की मूर्ति तैयार की जा रही है। अर्बन यंग एसोसिएशन की श्यामा पूजा ने चायना मंदिर की तर्ज पर पंडाल बनाया है। अध्यक्ष दिलीप पाल, महासचिव चंदन डे और निदेशक टिंकू बरुवा ने बताया कि बजट साढ़े छह लाख रुपए है। यहां पर 9 फुट ऊंची काली माता की मूर्ति बनाई गई है। यहां प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। प्रोग्रेसिव एसोसिएशन की पूजा अब 37वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य और महासचिव प्रदीप नाथ ने कहा कि मूर्तिकार विक्रम पाल द्वारा 9 फीट ऊंची प्रतिमा का निर्माण किया गया है। 31 अक्तूबर को स्थानीय पार्षद अजय चक्रवर्ती प्रतिमा का अनावरण करेंगे। दूसरी ओर, रेस्ट कैंप पोस्ट ऑफिस क्षेत्र के सेवक संघ क्लब ने अपने 67वें वर्ष में प्रवेश किया। ग्रामीण परिवेश में बांस के पंखे से पंडाल सजाए जा रहे हैं। अध्यक्ष राणा डे व महासचिव विप्लव चौधरी ने बताया कि कुम्हार विक्रम पाल द्वारा बनाई गई 13 फीट की ऊंची प्रतिमा का अनावरण 31 अक्तूबर को किया जाएगा। इस प्रकार पांडू की पूजा समितियां अपनी विविध सजावट, मूर्तियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करके पूजा समारोह को और अधिक आकर्षक बनाने पर जुटी हुई हैं।

राजस्थान में बेकाबू ...

बस सालासर से नवलगढ़ जा रही थी। लक्ष्मणगढ़ में तेज रफ्तार बस संतुलन बिगढ़ने पर पुलिया से जा टकराई। घटनास्थल पर पांच लोगों की मौत हो गई जबकि छह अन्य यात्रियों की अस्पताल में मौत हुई है। इस भीषण सड़क हादसे में 33 यात्री घायल हुए हैं। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को लक्ष्मणगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। शवों को मोर्चरी में रखवाया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सीकर के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में बस दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दु:खद एवं हृदयविदारक है। मेरी गहरी संवेदनाएं मृतकों के शोकसंतप्त परिवारजनों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ दें। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि लक्ष्मणगढ़ में भीषण सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु का हृदयविदारक समाचार सुनकर आहत हूं। दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में अपनों को खोने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। इस हादसे को लेकर नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में बस दुर्घटना के कारण हुई जनहानि दु:खद खबर है। ईश्वर दिवगंत जनों की आत्मा को शांति प्रदान करें व घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। इस सड़क हादसे पर कई नेताओं ने भी दुख जताया है।

भारत-चीन सेनाओं ...

उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह पुष्टि की थी कि भारत और चीन के बीच लद्दाख के नजदीक वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 2020 में पैदा हुई सैन्य तनातनी का समाधान हो गया है। दोनों देशों के बीच राजनयिक और सैन्य स्तर पर हुई चर्चाओं के बाद सैन्य गश्त को लेकर सहमति बनी है, जिसके बाद दोनों ओर से अग्रिम तैनाती खत्म की जानी थी। वर्ष 2020 में भारत और चीन की सेनायें आमने-सामने आ गई थीं। दोनों देशों की सेनाओं के बीच हुई झड़प में दोनों ओर से सैनिकों की मौत भी हुई थी। इसके बाद से भारत-चीन के संबंधों में खटास आई थी। बाद में विदेश मंत्रालय और सैन्य स्तर पर इस तनातनी को खत्म करने को लेकर वार्ताएं शुरू हुईं। सैन्य तनातनी की समाप्ति के बाद ही ब्रिक्स वार्ता के इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच वार्ता हुई थी। समझौते के तहत दोनों पक्ष अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति पर वापस आ जाएंगे। हालांकि दिल्ली और बीजिंग दोनों के पास डेप्सांग और डेमचोक में निगरानी के विकल्प जारी रहेंगे और किसी भी गलत संचार से बचने के लिए गश्त पर निकलने से पहले एक दूसरे को सूचित करेंगे।

दिवाली से पहले राम ...

को गिरफ्तार किया है, जिसके पास भारी मात्रा में विस्फोटक मिला है। यह विस्फोटक आमतौर पर पटाखे बनाने में उपयोग होता है। पुलिस ने अयोध्या की सुरक्षा को और बढ़ाते हुए विभिन्न सुरक्षा बलों को तैनात किया है। उज्जैन के महाकाल मंदिर को आतंकवादी हमले की धमकी मिली है। एक चिट्ठी में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि महाकाल मंदिर को 30 अक्तूबर और 2 नवंबर को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई है। इस धमकी के बाद, महाकाल मंदिर की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। मंदिर के आसपास सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है, और सभी श्रद्धालुओं की जांच की जा रही है ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके। सुरक्षा एजेंसियां चिट्ठी के स्रोत का पता लगाने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के लिए सक्रिय हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है, और हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं ताकि महाकाल मंदिर में आने वाले भक्त सुरक्षित रहें। तिरुपति में इस्कॉन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ईमेल भेजने वाले ने आईएसआईएस के आतंकवादियों का नाम लिया है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। तिरुपति पुलिस ने धमकी मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए मंदिर की तलाशी ली। हालांकि, तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध सामान बरामद नहीं हुआ, जिससे भक्तों की सुरक्षा पर थोड़ी राहत मिली। इसके बावजूद, सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। पुलिस और सुरक्षा बलों की टीमें मंदिर के चारों ओर गश्त कर रही हैं, ताकि किसी भी खतरे का सामना किया जा सके और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पिछले कुछ दिनों में तिरुपति के होटलों और एयरपोर्ट को भी धमकी भरे ईमेल मिले हैं। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन जांच में कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। यात्रियों और भक्तों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि सभी सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। इन धमकियों के चलते सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हैं। हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे का सामना किया जा सके। धमकी भरे ईमेल और चिट्ठियों के भेजने वालों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। सुरक्षा बलों ने इन संदेशों के स्रोत की पहचान के लिए जांच तेज कर दी है। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही नहीं बरती जा रही है। सभी प्रमुख स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा किया गया है, और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है।

दिवाली से पहले ...

सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बिना अनुमति के आतिशबाजी करने और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप में मंदिर समिति के सदस्यों के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। एफआईआर में कहा गया है कि लापरवाही के कारण आतिशबाजी भंडारण क्षेत्र में आग लग गई। हादसे में घायल हुए एक व्यक्ति के परिजन ने बताया कि मंदिर में उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा थे, जैसे ही आतिशबाजी शुरू हुई तो एक चिंगारी से पटाखों के भंडारण में आग लग गई। इससे भगदड़ की स्थिति बन गई। हादसे की जगह फोरेंसिक अधिकारियों, बम डिस्पोजल स्कवॉड और डॉग स्कवॉड ने जांच की और सबूत इकट्ठा किए। घायलों का इलाज कुन्नूर के एमआईएमएस अस्पताल में भी चल रहा है। अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर जिनेश वीथिलाकथ ने बताया कि नीलेश्वर मंदिर में घटी घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। यहां 30 मरीजों को लाया गया था। इलाज के बाद उनकी हालत स्थिर है। इस मामले में आगे की जांच हो रही है। कासरगोड की घटना पर पूर्व केंद्रीय मंत्री के जे अल्फांसे ने कहा कि कासरगोड जिले में कलियट्टम त्योहार काफी प्रसिद्ध है और यह जिले के सभी मंदिरों में मनाया जाता है। इस उत्सव के दौरान आतिशबाजी की जाती है। कल की घटना में पटाखा भंडारण जगह से कुछ ही दूरी पर पटाखे फोड़े जा रहे थे और कई लोग इसके आसपास थे। यह पुलिस की असफलता है। घटना में 150 के करीब लोग घायल हुए हैं और उनमें से 15 की हालत गंभीर है। केरल में ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं? यह राज्य सरकार और पुलिस की बड़ी असफलता है। साथ ही मंदिर प्रशासकों की भी गलती है। इस मामले में कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

लखनऊ में 11 ...

पीजीआई थाना के अतिरिक्त निरीक्षक, अमित सिंह, थाना चिनहट के कामता चौकी के प्रभारी उपनिरीक्षक हर्षित मान, राकेश चौरसिया को लाइन, बीट प्रभारी उपनिरीक्षक रंजीत कुमार को विराटखंड से हटाकर विनीतखंड भेजा है। वहीं थाना पीजीआई में उपनिरीक्षक गोविंद, आशियाना थाना में तैनात मुख्य आरक्षी संदीप शर्मा, अशोक शर्मा, पीजीआई थाना के मुख्य आरक्षी मुकीम लाइन हाजिर। विभूतिखंड में तैनात आरक्षी सतेंद्र राय,गोमतीनगर विस्तार थाने मे तैनात आरक्षी गुलाब चंद्र और गोमतीनगर थाना मे तैनात महिला आरक्षी अंजलि शर्मा को लाइन हाजिर किया है।

इजराइल के लड़ाकू ...

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सोमवार को बेका घाटी के बाल्बेक और हर्मेल क्षेत्र में इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 63 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह युद्ध शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र के लिए सबसे हिंसा भरा दिन रहा। सोमवार दोपहर इस क्षेत्र में हुए ताबड़तोड़ हमलों से बाल्बेक से बेरूत तक चारों तरफ धुआं का गुबार उठा। बाल्बेक और हर्मेल के गवर्नर बशीर खोदर ने कहा कि इजराइल ने 23 सितंबर को लेबनान के कुछ हिस्सों में बड़ा हवाई अभियान शुरू किया था। इसके बाद एक अक्तूबर को लेबनान के दक्षिण में जमीनी आक्रमण किया। सोमवार का हमला सबसे वीभत्स रहा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अभी भी 15 से अधिक लोग मलबे में फंसे हुए हैं। उन्हें निकाला जा रहा है। लेबनान के नागरिक सुरक्षा बल ने भी गोलाबारी के कारण कई जगह आग लगने की सूचना दी है। इजराइल ने पूरे क्षेत्र में श्रृंखलाबद्ध हमले कर 30 जगह तबाही मचाई। इन हमलों में एक ही परिवार के कई सदस्यों की मौत हो गई। हमले में मारे गए लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। अकेले अल अलक शहर में एक ही परिवार के सोलह लोग मारे गए। इस हमले में फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर को भी निशाना बनाया गया।

पूर्वोत्तर में पहली बार बीटीसी भूमि अभिलेखों को डिजिटल करने वाली बनी छठी अनुसूची परिषद

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। भूमि राजस्व के लिए बीटीसी ईएम, रंजीत बसुमतारी ने भूमि संबंधी मामलों को संबोधित करने और लोगों के अनुकूल नीतियों को लागू करने के लिए प्रमोद बोड़ो के नेतृत्व वाली बीटीसी की प्रतिबद्धता को दोहराया। आज बीटीसी सचिवालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में बोलते हुए, चाय उत्पादकों और छोटे चाय बागान मालिकों के लिए आवंटन, निपटान और पट्टे के लिए मसौदा भूमि नीति पर चर्चा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। ईएम बसुमतारी ने उपस्थित लोगों को बताया कि बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद पूरे पूर्वोत्तर में पहली और एकमात्र छठी अनुसूची परिषद है जिसने अपने सभी राजस्व गांवों के भूमि अभिलेखों को डिजिटल किया है, जिससे नागरिकों

के लिए ऑनलाइन भूमि राजस्व संबंधी सेवाओं की सुविधा मिलती है। उन्होंने विस्तार से बताया कि पिछले चार वर्षों में 200, 000 से अधिक भूमि पट्टे जारी किए गए हैं। मिशन बिसुमुथि 1.0 के तहत, प्राप्त 100, 141 ऑनलाइन आवेदनों में से कुल 80, 073 भूमि-संबंधी मुद्दों का समाधान किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि बीटीसी के अभिनव मिशन बिसुमुथि 1.0 पोर्टल पर अब नागरिकों के लिए 16 भूमि और राजस्व-संबंधी सेवाएं उपलब्ध हैं। बसुमतारी ने लघु चाय उत्पादक संघ के सदस्यों से इस जानकारी को व्यापक रूप से प्रसारित करने का आग्रह किया ताकि अन्य लोग भी अपनी भूमि-संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए प्रोत्साहित हो सकें। बैठक में यह भी चर्चा की गई कि यही नीति रबर की खेती के लिए भी लागू होगी। बैठक के दौरान, बीटीसी ईएम डॉ. धर्म नारायण दास और डॉ. निलुट स्वर्गियारी ने बीटीआर में भूमि-संबंधी मामलों के सुचारू समाधान के लिए बीटीसी की पहल पर प्रकाश डाला और बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो के मार्गदर्शन और नेतृत्व में भूमि नीति तैयार करने पर संतोष व्यक्त किया। बीटीसी लघु चाय उत्पादक संघ के सदस्यों ने मसौदा नीति के बारे में विभिन्न सुझाव दिए और बीटीसी सरकार की सक्रिय भूमिका पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की। मसौदा नीति को बीटीसी सचिव और भूमि अभिलेख एवं सर्वेक्षण निदेशक धीरज सौद ने विस्तार से समझाया। बैठक में बीटीसी सचिव सुजीत बुगलरी और सीईएम के ओएसडी रिंटू बोड़ो भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर देश भर में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस के मद्देनजर मंगलवार को गुवाहाटी के लताशिल खेल मैदान में *रन फॉर यूनिटी* नामक एक सामूहिक दौड़ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन, असम पुलिस और खेल निदेशालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन असम सरकार की खेल और युवा कल्याण मंत्री नंदिता गर्लोसा ने किया। मंत्री ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। खेल मंत्री गर्लोसा ने कहा कि देश के लोग एक बार फिर एकता दौड़ कार्यक्रम के माध्यम से समृद्ध भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में छात्रों और युवा पीढ़ी की भागीदारी से निश्चित रूप से समाज में एक सकारात्मक संदेश गया है। कार्यक्रम में मुख्य

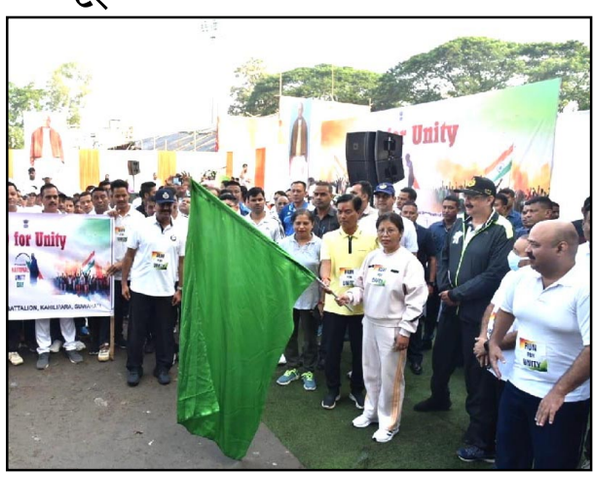

सचिव डॉ. रवि कोटा, पुलिस महानिदेशक ज्ञानेंद्रन प्रताप सिंह, महापौर मृगेन शरणिया, पुलिस आयुक्त दिगंता बोरा, प्रभारी जिला आयुक्त पारिजात भुइयां, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, खेल और युवा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कामरूप (मेट्रो) जिला परिवहन विभाग के विशेष कर्तव्य अधिकारी, एनसीसी, एलएनआईपीई, अर्धसैनिक बल, सोनापुर-उलुबारी बॉक्सिंग क्लब, सरुसोजाई स्पोर्ट्स अकादमी और विभिन्न खेल संगठनों के अधिकारियों सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया।

कछार में हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। कछार पुलिस द्वारा दी गई औपचारिक जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने एक वाहन (एएस-01एएम- 0131) तथा गाड़ी में सवार दो व्यक्तियों को दिघारखाल टोल गेट पर रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान 07 प्लास्टिक से बने साबुनदानी बरामद किए गए, जिनका वजन करीब 69 ग्राम था। डिब्बे में हेरोइन होने का संदेह है। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान रसूल हुसैन लस्कर तथा रिबुल हुसैन बरभुइंया के रूप में किया गया। आगे की कानूनी औपचारिकताएं शुरू की जा रही हैं। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत करीब 35 लाख रुपए होने का अनुमान जताया गया है।

सड़क दुर्घटना में स्कूटी चालक की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पर हुई एक सड़क हादसे में स्कूटी चालक की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बीती रात दुधनोई थाना अंतर्गत आमजोंगा इलाके में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पर हुई सड़क हादसे में (एएस-18एल-2014) स्कूटी चालक कालिपद दास (42) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्कूटी चालक को गंभीर अवस्था में दुधनोई अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कोकराझाड़ डीसी ने *एकता के लिए दौड़* को दिखाई हरी झंडी

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ की जिला आयुक्त मसांडा पार्टिन ने आज कोकराझाड़ में *एकता के लिए दौड़* मैराथन को हरी झंडी दिखाई, जो राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित की गई थी। ज्ञात हो कि यह आयोजन पूरे देश में भारत के *लौह पुरुष* सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती की याद में होता है। देश की एकता में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर एडीसी जितुराज गोगोई और सुभ्रम ए. बोरा, पुलिस कर्मी, खेल संगठनों के प्रतिनिधि, सिविल सोसाइटी और शैक्षणिक संस्थानों के लोग भी शामिल हुए। जिला अधिकारियों और विभिन्न पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के विविध समूह ने भी पटेल की स्थायी विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह मैराथन एकता और राष्ट्रीय एकीकरण के महत्व का स्मरण कराने वाली थी, जो एकजुट भारत की सरदार पटेल की दृष्टि के साथ मेल खाती है।

ड्रग्स के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) असम की टीम ने गुवाहाटी के फटाशिल आमबारी थानांतर्गत धीरेनपारा में छापेमारी के दौरान एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने यहा कार्रवाई एक गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार दोपहर के समय की। गिरफ्तार महिला तस्कर की पहचान रीता बोड़ो (30) हाल निवासी धीरेनपारा, उज्ज्वल नगर के रूप में की गई है। महिला मूल रूप से तामुलपुल जिले की देवलगुड़ी गांव की निवासी है। उसके पास से हेरोइन की 24 शीशियां, जिनका वजन 36.5 ग्राम और एक मोबाइल फोन बरामद किया है।

डिमौ में चोरों ने एक ही रात में 8 गरीब परिवारों की 12 गायें चुरा लीं

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के डिमौ में गौ चोरों का आतंक दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है। ग्रामीणों ने आज बताया है कि बीती मध्य रात्रि को चोरों ने आठ गरीब परिवारों की कुल 12 गायें चुरा लीं। इस बीच, रात में, डिमौ पुलिस चोरी में इस्तेमाल किए गए टाटा टियागो वाहन (एएस-23डब्ल्यू-6272) को जब्त करने में कामयाब रही, लेकिन चोर वाहन छोड़कर फरार हो गए। गौरतलब है कि बीती रात देवपुर, सोनापुर, भेकेलाई आदि इलाकों के कई लोगों के घरों से करीब 12 गायें चुरा ली गईं। रात में डिमौ थाने की पेट्रोलिंग टीम ने चोरी में प्रयुक्त लाल रंग के वाहन को जब्त करने में कामयाबी हासिल की। सूत्रों ने बताया है कि पुलिस की मौजूदगी का अहसास होते ही चोर गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। डिमौ पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि, चुराई गई गायों को पुलिस बरामद नहीं कर पाई है। गौरतलब है कि डिमौ राजामाई बाजार से मवेशी तस्कर दूसरे राज्यों को सैकड़ों की संख्या में मवेशियों की तस्करी कर रहे हैं।

वृद्ध व्यक्ति का शव नदी से बरामद

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव के उदांगपाड़ा गांव के एक वृद्ध व्यक्ति का शव नदी से बरामद किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बीती शाम से लापता वृद्ध व्यक्ति का शव गोसाईगांव के एक नंबर सापकाटा गांव के उदांगपाड़ा रामदेव नदी से मंगलवार तड़के बरामद किया गया है। सोमवार की शाम से सोम मुर्मू बाजार गए थे। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे त्योहारी भीड़ से निपटने के लिए चला रहा स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने इस त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुरक्षा और आरामदायक सफर सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं, ताकि सेवा की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पूसीरे के क्षेत्राधिकार से आवाजाही हेतु कुल 44 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है, जिनमें 500 से अधिक फेरें शामिल हैं। निर्धारित यात्री ट्रेनों के अलावा ये स्पेशल ट्रेनें दिवाली और छठ पूजा के लिए पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार राज्य जैसे देश के पूर्वी और उत्तरी हिस्सों की ओर प्रमुख गंतव्यों को जोड़ने हेतु चलाई जा रही हैं। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने मंगलवार को बताया कि त्योहारों के दौरान पूसीरे ने अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी प्रमुख स्टेशनों और ट्रेनों में योजनाबद्ध तरीके से सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए हैं। सभी प्रमुख और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। स्टेशनों पर भीड़ को व्यवस्थित तरीके से नियंत्रित करने के लिए सभी गतिविधियों की निगरानी के लिए वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को तैनात किया गया है। भारी भीड़ के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति से बचने और भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने के लिए प्लेटफार्मों, फुट-ओवर ब्रिज और सर्कुलेटिंग क्षेत्रों में रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस को

मुस्तैद किया गया है। इसके अतिरिक्त, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर कड़ी नजर रखने और यात्रियों को वास्तविक समय पर सहायता प्रदान करने के लिए सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। ट्रेनों के प्रारंभिक स्टेशनों पर सामान्य कोचों में प्रवेश के लिए कतार प्रणाली अपनाई गई है। ट्रेनों/कोचों के बारे में उचित घोषणा समय पर सुनिश्चित की जाती है, ताकि यात्रियों को प्लेटफॉर्म के स्थान के बारे में पता चल सके, जहां से ट्रेनें रवाना होंगी। प्रारंभिक और गंतव्य स्टेशनों पर ट्रेनों में आसानी से चढ़ने और उतरने की व्यवस्था की गई है। त्योहारी सीजन के दौरान ट्रेनों में यात्रा करते समय यात्रियों को जागरूक करने के लिए नियमित आधार पर पूसीरे द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सीआईडी ने ठगी के शिकार व्यक्ति के 70 लाख रुपए वापस करवाए

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की सीआईडी टीम ने साइबर थाने में दर्ज ठगी के एक मामले का निपटारा करते हुए धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति के 70 लाख रुपए उसके खाते में वापस लौटवाएं हैं। यह जानकारी मंगलवार को असम पुलिस मुख्यालय द्वारा दी गई है। पुलिस ने घटना के संबंध में बताया है कि 22 जुलाई को पीड़ित पंकज जैन को एक व्यक्ति ने फोन किया। व्यक्ति ने खुद को फीडेक्स का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उसके (पीड़ित) द्वारा ताइवान भेजी गई एक खेप को मुंबई साइबर अपराध कार्यालय द्वारा जब्त कर लिया गया था, जिसमें घातक ड्रग्स एमडीएमए पाया गया है। पीड़ित को तथाकथित साइबर अपराध कार्यालय मुंबई से वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से गंभीर परिणाम भुगतने का झांसा देते हुए ब्लैकमेल किया गया। साइबर अपराधियों ने लगातार कॉल करेत हुए पीड़ित से 70 लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित ने 1930 हेल्पलाइन के माध्यम से इस संबंध में अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। सीआईडी की साइबर थाना पुलिस ने पीड़ित पंकज जैन के खाते में पूरी ठगी गई 70 लाख रुपए की राशि को वापस कराए।

सड़क हादसे में शिक्षक की मौत

गोलाघाट (हिंस)। बोकाखात के लखौजान में आज सुबह हुई एक सड़क दुर्घटना में एक शिक्षक की मौत हो गई। पेशे से शिक्षक अभिजीत साह की बोकाखात में उस समय मौत हो गई, जब वह अपनी बाइक (एएस-05क्यू- 7024) से स्कूल जा रहे थे। सिलेंडरों से भरे ट्रक ने लखुजान के पास शिक्षक की बाइक को ठोकर मार दिया। मृतक शिक्षक बोकाखात के बनगांव के निवासी थे। ट्रक मौके से फरार हो गया।

बीटीसी पीएस आकाश दीप ने जिले में मलेरिया की बढ़ती घटनाओं से निपटने के लिए जारी किए दिशा-निर्देश

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। कोकराझाड़ जिले में मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए बीटीसी के प्रधान सचिव आकाश दीप ने स्वास्थ्य विभाग को मलेरिया रोधी उपचार व्यवस्था का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्लास्मोडियम विवैक्स (पीवी) संक्रमण के लिए प्राइमाक्विन के 14-दिवसीय कोर्स की सिफारिश की, ताकि बीमारी को दोबारा होने से रोका जा सके और प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम (पीएफ) संक्रमण के लिए आर्टेमिसिनिन-आधारित संयोजन चिकित्सा (एसीटी) के 3-दिवसीय कोर्स की सिफारिश की, ताकि परजीवी को प्रभावी तरीके से खत्म किया जा सके। बीटीसी सचिवालय में समीक्षा बैठक के दौरान प्रधान सचिव ने वेक्टर प्रसार को रोकने और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में स्पर्शोन्मुख वाहकों की पहचान करने के लिए सक्रिय मामलों का पता लगाने और बड़े पैमाने पर निगरानी प्रयासों को तेज करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संक्रमण को कम करने वाली प्रथाओं के पालन की निगरानी करने और निरंतर सक्रिय निगरानी स्थापित करने के लिए सर्कल अधिकारियों, गाओबुरहा, वीसीडीसी सदस्यों, वन अधिकारियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के बीच सहयोग को प्रोत्साहित किया। कोकराझाड़ के जिला स्वास्थ्य सोसायटी के संयुक्त निदेशक के कार्यालय को मलेरिया की घटनाओं पर वास्तविक समय के अपडेट के लिए एक दैनिक रिपोर्टिंग तंत्र को लागू करने का निर्देश दिया गया, जिससे जिले के भीतर किसी भी उभरते प्रकोप पर समय पर प्रतिक्रिया हो सके। बैठक में बालाजन ब्लॉक के लंचुंग वन गांव और सरलापाड़ा, साथ ही डोटमा ब्लॉक के महेंद्रपुर जैसे क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया, जिनमें मलेरिया संचरण की उच्च दर देखी गई है। इन क्षेत्रों में मलेरिया-स्थानिक बनने के जोखिम के साथ, तत्काल हस्तक्षेप रणनीतियों का प्रस्ताव दिया गया, जिसमें दृश्य सहायता की स्थापना, आईईसी पर्चे का वितरण और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने और निवारक उपायों पर निवासियों को शिक्षित करने के उद्देश्य से लघु वीडियो जारी करना शामिल था। बैठक में बीटीसी के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सचिव सहित उल्लेखनीय अधिकारियों ने भाग लिया। परिवार कल्याण अमर ज्योति बर्मन, कोकराझाड़ की अतिरिक्त जिला आयुक्त कबिता डेका, जिला स्वास्थ्य सेवा के संयुक्त निदेशक डॉ. एम. मोरल, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. पी. ब्रह्मा, कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज में सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. बेनुधर नाथ और कोकराझाड़ के सभी चार स्वास्थ्य खंडों के अधिकारी।

अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहा वाहन जब्त, चालक फरार

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव जिले के जोगीघोपा इलाके से स्थानीय लोगों ने अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहे एक वाहन को रोककर वन विभाग को सौंप दिया। स्थानीय लोगों ने मंगलवार को बताया कि बीती रात अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहे वाहन (एएस-19सी-4859) को स्थानीय लोगों ने रोका। स्थानीय लोगों द्वारा पूछताछ के दौरान अंधेरे का फायदा उठाते हुए वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी तुरंत वन विभाग को दी गई। घटना की जानकारी दिए जाने के काफी समय बाद वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने अभयापुरी आंचलिक वन विभाग के अधिकारी और वन कर्मचारियों के ऊपर जमकर नाराजगी व्यक्त करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि इलाके में रहीम अली और नवीर अली नामक लकड़ी व्यापारी अवैध रूप से लकड़ी का कारोबार चला रहे हैं। जिसमें वन विभाग की मिलीभगत है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग के मंत्री से इस संबंध में वन माफियाओं के खिलाफ कड़ा कदम उठाए जाने की मांग की है।

मोरीगांव में दिवाली विद माई इंडिया कार्यक्रम के तहत मेरा युवा भारत अभियान की पहली वर्षगांठ आयोजित

गुवाहाटी। भारत सरकार का युवा मामले और खेल मंत्रालय ने पूरे भारत में आरंभ किए गए मेरा युवा भारत संगठन की पहली वर्षगांठ समारोह के तहत आगामी दिवाली सीजन के दौरान *दिवाली विद माई इंडिया* कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। उक्त कार्यक्रम के तहत नेहरू युवा केंद्र मोरीगांव ने जिले के स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से बीते 27 अक्तूबर से 30 अक्तूबर तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। जिला युवा अधिकारी विकास चंद्र प्रधान ने मोरीगांव जिले में विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के 50 स्वयंसेवकों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियों के उद्देश्यों के बारे में बताया। 28 अक्तूबर को मोरीगांव माया बाजार में जिला युवा अधिकारी विकास प्रधान और लेखाकार तथा कार्यक्रम अधिकारी धनंजय तालुकदार के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने बाजार परिसर की सफाई की और व्यापारियों के बीच स्वच्छता जागरूकता फैलाया। आज मंगलवार को मोरीगांव जिले के विस्तृत इलाका माया बाजार ट्रैफिंग प्वाइंट, बिहूतली, शनिवार बाजार पुलिस प्वाइंट, मायंग, मैराबाड़ी, लाहरीघाट, दलंगघाट, जागीरोड बाजार के इलाके में 50 से अधिक स्वंयसेवक-सेविकाओं ने हाथोंबैनर पोस्टर, प्रचार पुस्तिका आदि लेकर पैदल चलनेवाले, वाहन चालक, खलासी, यात्रि, के साथ साथ रिक्शा चालक और ऑटो चालक यातायात कानूनों के विभिन्न पहलुओं, सड़क सुरक्षा, नियंत्रित

गति से वाहन चलाने, यातायात संकेतों का पालन करने, दोपहिया वाहन चालक और सवार को हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चालक और यात्री द्वारा सीट बेल्ट इस्तेमाल करने, नशे में गाड़ी न चलाने, गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने के बारे में जागरूकता पैदा करने का भी आग्रह किया। सड़क सुरक्षा ही जीवन सुरक्षा, वाहनों की अनियंत्रित गति से बचने आदि दिशा निर्देश का पालन कर एक दुघर्टनामुक्त राज्य बनाने का आह्वान किया। नेहरू युवा केंद्र के लेखाकार और कार्यक्रम अधिकारी धनंजय तालुकदार ने कहा कि 30 अक्तूबर को नारायण बाजार इलाके में अनिल बोरा स्मृति अनिल बोरा युवक संघ के सहयोग से सफाई अभियान चलाया जाएगा और मोरीगांव सिविल अस्पताल में स्वंयसेवकों द्वारा मरीजों और अभिभावकों को विभिन्न सेवाएं प्रदान करेंगे।

संपादकीय

कौन बंटेगा, कौन कटेगा?

बंटेंगे तो कटेंगे। यह नारा उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया था। वह अब तिल का ताड़ बन गया है। उसकी अलग-अलग व्याख्याएं की जा रही हैं। राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। यदि इस नारे के जरिए 'हिंदू' का आह्वान किया गया था, तो हिंदुओं का विश्वास है कि वे खतरे में नहीं हैं और न ही वे चिंतित हैं। यह नारा समाज में तनाव पैदा करने के लिए है। हम हिंदू हैं, लेकिन हम तटस्थ हैं। नारे की भाषा अमर्यादित है। ऐसी भाषा की अपेक्षा भाजपा और संघ परिवार से नहीं की जा सकती। क्या हिंदू मूर्ख हैं, जो ऐसे नारे का निहितार्थ नहीं समझते? क्या नारे के जरिए ही हिंदू लामबंद होगा और भाजपा की ओर उसका ध्रुवीकरण होगा? ऐसे आह्वान भाजपा की ओर से किए जाते रहे हैं, ताकि उसका स्थायी बहुमत बरकरार रहे। संघ परिवार भी हिंदूवाद को ही राष्ट्रवाद मानता रहा है। मुख्यमंत्री योगी के इस नारे को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधनों में भी दोहराया है। अब आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने इसकी पुष्टि करते हुए नारे पर मुहर लगा दी है। दत्तात्रेय ने वही बात कही है, जो संघ की कार्यकारिणी ने विमर्श के बाद तय की थी। संघ की दलील है कि लोक कल्याण के लिए 'हिंदू एकता' अहम है। 'राष्ट्रीय एकता' क्यों अहम नहीं है? मुसलमान, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई आदि समुदायों की एकता बेहद जरूरी क्यों नहीं है? वे भी भारतीय, हिंदुस्तानी हैं। बार-बार सचेत किया जा रहा है कि 'बंटेंगे, तो कटेंगे। एकजुट रहेंगे, तो नेक रहेंगे।' देश में करीब 25,000 उपजातियां और करीब 3000 जातियां हैं। वे विभिन्न और विविध हैं, लेकिन भारत राष्ट्र के तले सभी भारतीय हैं। वे विभाजित देश नहीं हैं। ये जातियां हिंदुओं की ही हैं। वे अलग हुई हैं, अपनी अलग पहचान बनाई है, लेकिन वे बुनियादी तौर पर हिंदू हैं। उनकी आस्था सनातन है। यह न तो संविधान-विरोधी है और न ही सनातन-विरोधी है। देश में करीब 21 करोड़ मुसलमान भी हैं। वे अमूमन भाजपा को वोट नहीं देते। कर्नाटक के चुनाव में 90 फीसदी से अधिक मुस्लिम वोट कांग्रेस के पक्ष में गए, तो भाजपा को 7-9 फीसदी वोट ही मिले, लेकिन गैर-मुस्लिम वोटों का बहुमत भाजपा के पक्ष में रहता है। यह औसत भारतीय का संवैधानिक मताधिकार है। क्या सवाल और चिंता यह है कि क्षेत्र, जाति, धर्म, वर्ग आदि में बंटेंगे, तो तय है कि कटेंगे? 'कटेंगे' शब्द आपत्तिजनक है, क्योंकि 1947 के बाद भारत का दोबारा विभाजन नहीं हुआ है। सभी जातियों, क्षेत्र, धर्म, मत के लोग मताधिकार का इस्तेमाल करते रहे हैं और लोकतांत्रिक सरकारें चुनते रहे हैं। फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ ही राज्यों में भाजपा की अनपेक्षित, अप्रत्याशित पराजय के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह नारा क्यों दिया? और इसे संघ परिवार का नारा क्यों बना दिया गया? इस नारे का आक्रामक प्रचार क्यों किया जा रहा है? इन सवालों का एक ही जवाब हो सकता है कि यह भाजपा की चुनावी रणनीति है। इसका परिणाम हरियाणा चुनाव में देख चुके हैं, जहां नारे के बाद भाजपा का काडर और समर्थक एकजुट हुए, चुपचाप वोट किए, नतीजतन भाजपा को बहुमत हासिल हुआ। अब यह आजमाइश महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में की जा रही है। यकीनन भाजपा हिंदू वोट बैंक को बंटने नहीं देना चाहती और उन्हें डरा रही है। मुसलमानों को भी डराया जाता है। भारत में चुनाव 'जातीय' हो गए हैं। भाजपा ने हिंदुओं का यह हथियार 'जातीय जनगणना' के समानांतर उठाया है। इस नारे के कुछ नतीजे दिखाई दे रहे हैं और हिंदुओं में लामबंदी शुरू हो रही है। दलित, पिछड़े, आदिवासी आदि की उपजातियां अब भी हिंदू मानती हैं, लेकिन उनके वोट बैंक ध्रुवीकृत होते रहे हैं। 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में उनके वोट औसत बिल्कुल बदल गए हैं। जो भाजपा के पक्ष में थे, अब वे भाजपा के विपक्ष में हैं। भाजपा स्पष्ट रूप से हिंदुओं का नाम लेकर अपने खोये जनाधार को वापस हासिल करने के पक्ष में नहीं है, लिहाजा भाषा बदल कर यह नारा दिया गया है। क्या भाजपा सफल होगी? यह तो चुनाव ही तय करेंगे, लेकिन हम ऐसी राजनीति के पक्षधर नहीं हैं।

> नारे की भाषा अमर्यादित है। ऐसी भाषा की अपेक्षा भाजपा और संघ परिवार से नहीं की जा सकती। क्या हिंदू मूर्ख हैं, जो ऐसे नारे का निहितार्थ नहीं समझते? क्या नारे के जरिए ही हिंदू लामबंद होगा और भाजपा की ओर उसका ध्रुवीकरण होगा? ऐसे आह्वान भाजपा की ओर से किए जाते रहे हैं, ताकि उसका स्थायी बहुमत बरकरार रहे। संघ परिवार भी हिंदूवाद को ही राष्ट्रवाद मानता रहा है। मुख्यमंत्री योगी के इस नारे को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधनों में भी दोहराया है। अब आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने इसकी पुष्टि करते हुए नारे पर मुहर लगा दी है। दत्तात्रेय ने वही बात कही है, जो संघ की कार्यकारिणी ने विमर्श के बाद तय की थी।

जर्मनी में भारतीय मूल के ढाई लाख लोग हैं, जिनमें छात्र और स्किल्ड प्रोफेशनल्स शामिल हैं

भारत-जर्मनी के निरंतर प्रगाढ़ हो रहे द्विपक्षीय सम्बन्धों के अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

> भारत और इजरायल के हैं, भारत और जापान के हैं या फिर भारत और ऑस्ट्रेलिया के हैं। यही नहीं, भारत और जर्मनी के आपसी सम्बन्ध भारत और अमेरिका या भारत और इंग्लैंड जैसे भी नहीं हैं। इसलिए भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत बनाना दोनों देशों के नेतृत्व के लिए बहुत जरूरी है। बहुचर्चित तानाशाह हिटलर की भूमि जर्मनी में भारत और भारतीयों की दिलचस्पी स्वाभाविक है। जर्मनी से भारत के प्रगाढ़ रिश्ते इसलिए भी जरूरी हैं, ताकि पारस्परिक कारोबार बढ़े और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत को एक और दिलाजिज मित्र का साथ मिले, उसी तरह से जैसे कि फ्रांस देता आया है।

भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय सम्बन्ध वैसे नहीं हैं, जैसे भारत और फ्रांस के हैं, भारत और इजरायल के हैं, भारत और जापान के हैं या फिर भारत और ऑस्ट्रेलिया के हैं। यही नहीं, भारत और जर्मनी के आपसी सम्बन्ध भारत और अमेरिका या भारत और इंग्लैंड जैसे भी नहीं हैं। इसलिए भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत बनाना दोनों देशों के नेतृत्व के लिए बहुत जरूरी है। बहुचर्चित तानाशाह हिटलर की भूमि जर्मनी में भारत और भारतीयों की दिलचस्पी स्वाभाविक है। जर्मनी से भारत के प्रगाढ़ रिश्ते इसलिए भी जरूरी हैं, ताकि पारस्परिक कारोबार बढ़े और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत को एक और दिलाजिज मित्र का साथ मिले, उसी तरह से जैसे कि फ्रांस देता आया है। हालांकि, गत दिनों भारत के दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और इंडिया के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जो रणनीतिक बातचीत हुई है, उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि जर्मनी का नेतृत्व भी वैश्विक नजाकत और जरूरत को देखते हुए भारत के प्रति अपने पुराने रुख में बदलाव ला रहा है, जिससे दोनों देशों को फायदा होगा। वास्तव में, फोकस ऑन इंडिया और लेबर स्ट्रैटिजी नाम से जारी दो जर्मन रिपोर्ट्स में इस बात का जिक्र किया जा चुका है कि जर्मनी में भारतीय मूल के ढाई लाख लोग हैं, जिनमें छात्र और स्किल्ड प्रोफेशनल्स शामिल हैं। हालिया वर्षों में यह संख्या दुगुनी हुई है। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इसे समझा है और भारत के दौरे के क्रम में कहा भी है कि दुनिया में हमें मित्रों और सहयोगियों की आवश्यकता है- जैसे भारत और जर्मनी हैं। प्रिय मोदी जी, नई दिल्ली में स्नेहपूर्वक स्वागत के लिए दिल से धन्यवाद। चूंकि जर्मनी में भारत से नजदीकी सम्बन्धों पर पार्टी लाइन से अलग सामूहिक राजनीतिक सोच सामने आई है। क्योंकि दोनों देशों के बीच माइग्रेशन रिश्तों की अहम कड़ी बनकर उभरा है। इसलिए दोनों देशों के बदलते और नव प्रगाढ़ हो रहे द्विपक्षीय सम्बन्धों के अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ को समझने की जरूरत है। पहला, भारत और जर्मनी के बीच 18 डाक्यूमेंट्स पर साझा सहमति बनी है। जिसमें म्युचुअल लीगल असिस्टेंट इन क्रिमिनल मैटर्स, क्लासिफाइड इन्फॉर्मेशन, ग्रीन हाइड्रोजन रोड मैप, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर रोड मैप, श्रम और रोजगार,

अडवांस मटीरियल्स में रिसर्च एंड डिवेलपमेंट को लेकर सहयोग, ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप, के साथ स्किल डिवेलपमेंट और वोकेशनल एडुकेशन एंड ट्रेनिंग में सहयोग सहमति बनी है, जिससे न सिर्फ दोनों देश लाभान्वित होंगे बल्कि समकालीन विश्व के देशों को भी इससे फायदा पहुंचेगा। क्योंकि भारत हमेशा तीसरी दुनिया के देशों यानी ग्लोबल साउथ की बात करता आया है। वहीं, भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस तरह से यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को द्विपक्षीय चिंता का विषय बताया और वैश्विक संघर्षों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित राजनीतिक समाधान की वकालत की, उसका अपना कूटनीतिक महत्व है। वहीं, उनका यह कहना कि 20वीं सदी में स्थापित वैश्विक मंच 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए सुरक्षा परिषद सहित विभिन्न बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की आवश्यकता है। एक बात और, समसामयिक दुनिया जिस तरह से तनाव, संघर्ष और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, उसके दृष्टिगत भी हिन्द प्रशांत क्षेत्र में कानून के शासन और नौवहन की स्वतंत्रता को लेकर गम्भीर चिंताएं हैं। ऐसे समय मे भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत सहारे के रूप में उभरी है। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने जर्मनी से घोषित 'फोकस ऑन इंडिया' रणनीति का स्वागत करते हुए कहा है कि, 'मुझे खुशी है कि अपनी साझेदारी को विस्तार देने और बढ़ाने के लिए हम कई नई और महत्वपूर्ण पहल कर रहे हैं। क्रिटिकल और इमर्जिंग टेक्नॉलजी, स्किल डिवेलपमेंट और इनोवेशन पर सरकार की अप्रोच को लेकर सहमति बनी है। इससे एआई (AI) सेमीकंडक्टर और क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बल मिलेगा। वहीं, रक्षा क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। वहीं, पीएम ने गोपनीय सूचनाओं (क्लासिफाइड इन्फर्मेशन) पर सामने आए समझौतों को बेहद अहम बताया। जबकि साझा लीगल असिस्टेंट ट्रीटी को आतंकवादी और अलगाववादी तत्वों से निपटने की दिशा में अहम कदम करार दिया। साथ ही कहा कि ग्रीन और सस्टेनेबल ग्रोथ के साझा कमिटमेट पर दोनों देश लगातार काम कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप के दूसरे दौर पर सहमति बनाई है। दोनों देशों ने ग्रीन हाइड्रोजन रोडमैप भी लॉन्च किया। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मनी की कंपनियों को देश में आमंत्रित करते हुए ठीक ही कहा कि निवेश के लिए भारत से बेहतर कोई जगह नहीं है और देश की विकास गाथा का हिस्सा बनने का यह सही समय है। उन्होंने 'एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस ऑफ जर्मन बिजनेस' के 18वें सम्मेलन में कहा कि विदेशी निवेशकों के लिए भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनना, 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल में शामिल होने का यह 'सही' समय है। जर्मनी ने भारत के कुशल वर्क फोर्स में जो विश्वास जताया है, वह अद्भुत है। इस यूरोपीय देश ने कुशल भारतीय वर्क फोर्स के लिए वीजा की संख्या 20,000 से बढ़ाकर 90,000 करने का निर्णय लिया है। मोदी ने आगे यह भी कहा कि, भारत वैश्विक व्यापार और मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बन रहा है। यह आज डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिमांड और 'डेटा' के मजबूत स्तंभों पर खड़ा है। भारत सड़कों और बंदरगाहों में रेकॉर्ड निवेश कर रहा है। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दुनिया के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि जर्मन प्रतिनिधिमंडल को भारत की संस्कृति, भोजन और खरीदारी का भी आनंद लेना चाहिए। ताकि दोनों देश और उसके लोग एक दूसरे से भावनात्मक रूप से जुड़ सकें। बकौल मोदी, भारत और जर्मनी के बीच वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार 30 अरब डॉलर से अधिक है। जर्मनी की कई कंपनियां भारत में काम कर रही हैं, जबकि भारतीय कंपनियां भी जर्मनी में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं।

दृष्टि कोण

बैंकों को विदेशियों को बेचना कितना जायज

वर्ष 2020 के मार्च माह में भारत के एक महत्वपूर्ण निजी बैंक, यस बैंक के निजी प्रबंधन की गलतियों (भ्रष्टाचार सहित) के कारण लगभग दिवालिया हो गया था। लोगों का विश्वास खोने के बाद बैंक से जमाकर्ताओं ने अपनी राशि वापस लेना शुरू कर दिया जिसके चलते बैंक को अपने लेन-देन को रोकना पड़ा। ऐसे में भारतीय स्टेट बैंक (एक सरकारी बैंक) ने 49 प्रतिशत शेयर खरीद कर उसे अपने हाथ में लिया जिससे यस बैंक में जमाकर्ताओं का विश्वास पुनः जम गया। उसके बाद यह बैंक पुनः उठ खड़ा हुआ और अपनी सामान्य बैंकिंग गतिविधियों में संलग्न हो गया। बाद में यस बैंक ने नए शेयर जारी कर और पूंजी जुटाई, और भारतीय स्टेट बैंक की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत तक आ गई। स्टेट बैंक के अलावा 11 अन्य ऋणदाता संस्थाएं हैं जिनके पास यस बैंक के लगभग 9.74 प्रतिशत शेयर हैं। यस बैंक के 16.05 प्रतिशत शेयर अन्य दो निजी इक्विटी फंडों के पास हैं। समाचारपत्रों की हालिया रपटों के अनुसार जापान की मितसुभिषी यूएफजे फाइनेंसिएल ग्रुप नामक कंपनी को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के यस बैंक में शेयरों को बेचने की बात आगे बढ़ गई है। प्रस्तावित विदेशी निवेशक, यस बैंक के 51 प्रतिशत शेयर कब्जाना चाहते हैं ताकि उसके पास निर्णय का अधिकार आ जाए। इसके लिए हालांकि वे पहले तो भारतीय रिजर्व बैंक की इस नियमानुसार शर्त को मानने के लिए तैयार नहीं थे कि उन्हें अगले 15 वर्षों में अपनी प्रमोटर शेयरहोल्डिंग को 26 प्रतिशत तक लाना होगा, लेकिन अब वे वो भी मान गए हैं। गौरतलब है कि इस बैंक को उबारने में भारतीय स्टेट बैंक ने 7520 करोड़ रुपए का पुनः पूंजीकरण किया था। लेकिन बैंक के पुनरुद्धार के बाद भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लगाई गई पूंजी बढ़कर अब 18000 करोड़ रुपए पहुंच चुकी है। भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप के बाद न केवल जमाकर्ताओं का पैसा डूबने से बच गया, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था में लोगों का विश्वास पुनः स्थापित हुआ और इस प्रक्रिया में भारतीय स्टेट बैंक को भी 10000 करोड़ रुपए से अधिक का पूंजीगत लाभ हुआ। ऐसे में इस बात पर विचार करना जरूरी है कि क्या यस बैंक के 51 प्रतिशत शेयरों को विदेशी हाथों में सौंप कर, यानी यस बैंक जैसे महत्वपूर्ण बैंक को विदेशी हाथों में सौंपना उचित होगा? एलपीजी नीतियों के अंतर्गत कई सरकारी उद्यमों का निजीकरण किया गया। बैंकिंग क्षेत्र में चूंकि पहले से ही निजी भारतीय और विदेशी बैंक कार्यरत थे और वे बदस्तूर चलते रहे। इसके साथ ही साथ कुछ सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ गैर वित्तीय संस्थानों को बैंकों में बदला गया और कुछ नए बैंकों को निजी क्षेत्र में काम करने के लाईसेंस प्रदान किए गए। लेकिन इस दौरान भी बैंकों के सार्वजनिक क्षेत्रों के निजीकरण से सरकार बचती रही। गौरतलब है कि बैंकिंग किसी भी देश के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय क्षेत्र है। यह बात सही है कि दुनिया में निजी और सरकारी दोनों प्रकार के बैंक पाए जाते हैं। अमरीका और यूरोप सरीखे पूंजीवादी देशों में ज्यादातर बैंक निजी हाथों में हैं। निजी बैंकों में जमाकर्ताओं की राशि बीमा की सीमा तक ही सुरक्षित होती है। बीते सालों में अमरीका में ही हजारों बैंक दिवालिया हुए, जिसके चलते जमाकर्ताओं को उनकी गाढ़े पसीने की कमाई से हाथ धोना पड़ा। यूरोप की स्थिति भी बहुत भिन्न नहीं है और वहां भी आए दिन बैंकों की दिवालिया होने की खबरें आम बात है। भारत एक ऐसा देश है, जहां आजादी के बाद और खास तौर पर 1969 में बड़े बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद निजी बैंकों के दिवालिया होने की भी खबरें अपवाद हैं। सार्वजनिक बैंकों में जमाकर्ताओं की राशि डूबना तो संभव है ही नहीं, क्योंकि इस राशि की सरकार की संप्रभु गारंटी होती है। भारतीय रिजर्व बैंक के सख्त नियमन के कारण निजी बैंकों में लोगों की धन राशि काफी हद तक सुरक्षित है और जब कभी कुप्रबंधन के कारण उनके दिवालिया होने की संभावना भी बनती है तो सरकारी हस्तक्षेप से उसे दुरुस्त कर दिया जाता है। पिछले दिनों यस बैंक का पुनरुद्धार उसका का जीता-जागता एक उदाहरण है। हाल ही में कुछ चुनिंदा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एकीकरण कर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की संख्या को कुछ कम किया गया है। साथ ही साथ समय-समय पर सरकार सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों के निजीकरण की बात को दोहराती भी रही है। लेकिन अभी तक किसी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक का निजीकरण नहीं किया गया है। क्या यस बैंक को विदेशी हाथों में सौंपना, एकमात्र विकल्प है या उसके अलावा भी विकल्प हैं? यदि विकल्प हैं तो उन पर गंभीरता से विचार हुआ है या नहीं? क्या रणनीतिक विनिवेश ही एकमात्र विकल्प है : जब सरकार रणनीतिक निवेशकों की तलाश में विनिवेश के साथ आगे बढ़ रही थी, तो कुछ हलकों से एक समझदारी भरा विचार आया कि क्या हम इक्विटी रूट के जरिए विनिवेश नहीं कर सकते और तब से सरकार विभिन्न वाणिज्यिक उपक्रमों में सरकार द्वारा रखे गए शेयरों को बाजार में बेचकर इक्विटी रूट के जरिए विनिवेश कर रही है।

कुछ अलग

काऊ साइंस

साधो इस समय देश प्रगति के चरम पथ पर उसेन बोल्ट की तरह गतिमान है। विश्व की सबसे बड़ी इकॉनमी बनने से बस हम कुछ ही पायदान पीछे हैं। अगर सरकारी आंकड़ेबाज़ों, गोदी मीडिया और सोशल मीडिया में पसरे अंधभक्तों ने चाहा तो वह दिन दूर नहीं जब दुनिया में कोई और माने या न माने, हमारे शीश पर विश्व की सबसे बड़ी इकॉनमी का ताज अपनी चमक बिखेर रहा होगा। भूखे पेट देश सन-2047 में इस ताज का भार सह पाएगा या नहीं, अभी यह कहना ज़रा मुश्किल है। अभी तो हम इसी बात पर प्रसन्न हो लेते हैं कि दुनिया के सबसे भुक्खड़ देशों में पाकिस्तान हमसे पीछे है। हाल ही में कई उत्साही अंधभक्तों ने व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी पर जानकारी साझा की है कि नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक सीवी रमन की तरह कई स्वयंसेवकों ने अपने दफ़्तरों और घरों में प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं, जहां वे देशी गायों के दूध, गोबर और गोमूत्र पर गंभीर शोध कर रहे हैं। कई गाय वैज्ञानिक तो इतने गंभीर हैं कि वे नियमित रूप से गोबर और गोमूत्र का सेवन करते हुए यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि इनसे कौन-कौन से रोग दूर किए जा सकते हैं। कई गाय वैज्ञानिक गाय को साबुत गेहूं खिलाने के बाद, उसके गोबर में मिलने वाले दानों को धोने, सुखाने के बाद उसके आटे से बनी रोटियां खाकर शोध में व्यस्त हैं। कई उत्साही गाय वैज्ञानिक तो गोबर में मिले इन दानों को धोने का कष्ट भी नहीं करते। बस सुखाने और पीसने के बाद उन्हें रोटी के रूप में ग्रहण कर लेते हैं। उनकी इसी गौ भक्ति को देखते हुए सरकार ने कुछ साल पहले मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी फार्मिंग मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय कामधेनु आयोग की स्थापना की है। गौ वैज्ञानिकों के इस अदम्य उत्साह को देखते हुए मंत्रालय के अधीन गठित राष्ट्रीय कामधेनु आयोग ने करीब तीन साल पहले यूजीसी के सहयोग से अखिल भारतीय स्तर पर देश के नौ सौ विश्वविद्यालयों में पहली बार निःशुल्क कामधेनु गऊ विज्ञान प्रचार प्रसार परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया था। हिंदी-अंग्रेज़ी सहित बारह भाषाओं में आयोजित होने वाली यह परीक्षा चार खंडों में विभाजित थी। विभिन्न आयु वर्गों के लिए प्रस्तावित एक घंटे की इस परीक्षा में सौ प्रश्न पूछे जाने थे। लेकिन बुरा हो उन आधुनिकतावादियों का, जिनके विरोध के चलते आयोग को यह परीक्षा रद्द करनी पड़ी। इधर विश्वस्त सूत्रों से पता चला है कि इज़रायल ने ईरान के संभावित परमाणु हमले से बचने के लिए भारत से एक लाख टन गाय का गोबर आयात करने का ऑर्डर दिया है। सुनने में आया है कि जिस तरह भारतीय निहत्थे फिलिस्तीनियों पर इज़रायल के सशस्त्र अत्याचारों का समर्थन कर रहे हैं, उससे प्रभावित होकर इज़रायल के पशु वैज्ञानिक भारतीय गऊ वैज्ञानिकों के शोध में भारत आकर मदद कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब भारत सरकार अपने बेरोज़गार युवाओं को रोज़गार मुहैया करवाने के नाम पर खाड़ी में पिछले एक साल से चल रहे युद्ध में उन्हें मरने के लिए इज़रायल भेज सकती है, तो इज़रायली वैज्ञानिक भारतीय शोध में क्यों हाथ नहीं बंटा सकते। फिर इस शोध का पहला प्रत्यक्ष लाभ इज़रायल को ही होगा। भारतीय गऊ वैज्ञानिकों के अब तक किए गए शोध के परिणामों के अनुसार देसी गायों का गोबर रेडियोएक्विटी को निष्क्रिय कर देता है, उनके दूध में सोना होता है, गोबर और गोमूत्र के सेवन से कैंसर ठीक हो जाता है। यह जानकारी भारत की प्रतिष्ठित गऊ वैज्ञानिक, मालेगांव ब्लास्ट की आरोपी और पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ने स्वयं पर कई साल प्रयोग करने के बाद इंटरनेशनल जर्नल ऑव काऊ साईंस में प्रकाशित अपने शोध में दी है।

देश दुनीया से

खाद्य सामग्री में मिलावट से जूझता समाज

खाद्य सामग्री में मिलावट एक गंभीर समस्या है जो वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रही है और मानव जीवन के लिए गंभीर संकट का कारण बन रही है। हर दिन सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों में मिलावट के वीडियो वायरल होते रहते हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। मिलावट का प्रभाव न केवल हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है, बल्कि यह हमारी अर्थव्यवस्था और सामाजिक ढांचे पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यह समस्या केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में भी इसका व्यापक प्रसार हो चुका है। आम जनता के बीच इसके प्रभाव को लेकर व्यापक चिंता है और इसे समाप्त करने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयासों की आवश्यकता है। खाद्य सामग्री में मिलावट के कई कारण हैं, जो इस समस्या की जड़ में मौजूद हैं। सबसे पहला कारण है बेरोजगारी और आर्थिक संकट, जो कई लोगों को गलत तरीकों का सहारा लेने के लिए मजबूर करता है। मौजूदा समय में बेरोजगारी की दर बढ़ती जा रही है, और कई लोग अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए मिलावट जैसे गलत कामों में संलग्न हो जाते हैं। बढ़ती महंगाई और आर्थिक अस्थिरता के कारण भी कुछ व्यापारी अधिक मुनाफा कमाने के लिए सस्ते और हानिकारक पदार्थों को असली उत्पादों में मिलाते हैं। इस तरह के व्यवहार से समाज में नैतिकता का पतन हो रहा है और लोग अपने लाभ के लिए दूसरों की जान को खतरे में डाल रहे हैं। कानूनी सख्ती की कमी भी खाद्य सामग्री में मिलावट की समस्या को बढ़ावा देती है। भारत में खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई कानून हैं, लेकिन इनका सही ढंग से क्रियान्वयन नहीं हो पाता है। मिलावटखोर अक्सर कानून के झोल का फायदा उठाकर हानिकारक कार्यों को अंजाम देते हैं। जब तक सख्त दंड और प्रभावी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक इस समस्या पर काबू पाना मुश्किल होगा। उपभोक्ता जागरूकता का अभाव भी एक बड़ा कारण है, जो मिलावट की समस्या को बढ़ावा देता है। अधिकांश उपभोक्ता खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच नहीं करते हैं और सस्ते दामों के लालच में आकर मिलावटी वस्तुएं खरीद लेते हैं। जागरूकता की कमी के कारण उपभोक्ता मिलावट के हानिकारक प्रभावों को समझ नहीं पाते हैं और अनजाने में अपना और अपने परिवार का स्वास्थ्य खतरे में डालते हैं। ऐसे में, उपभोक्ता जागरूकता अभियान चलाना अत्यंत आवश्यक है ताकि लोग खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की पहचान कर सकें और मिलावट से बच सकें। खाद्य सामग्री में मिलावट के कई प्रकार हैं, जिनका प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। दूध और दूध उत्पादों में मिलावट एक आम समस्या है। इसमें पानी, डिटर्जेंट, सिंथेटिक दूध, यूरिया, और अन्य हानिकारक रसायनों का मिश्रण किया जाता है। इस प्रकार की मिलावट से दूध की पौष्टिकता कम हो जाती है और यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसके अतिरिक्त मसालों में मिलावट भी एक गंभीर समस्या है। हल्दी, मिर्च, धनिया पाउडर आदि में कृत्रिम रंग, ईंट का चूरा, चॉक पाउडर और अन्य अशुद्ध पदार्थ मिलाए जाते हैं, जो पेट से संबंधित बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसी तरह, तेल और घी में सस्ते और हानिकारक तेल मिलाकर उन्हें शुद्ध घी के नाम पर बेचा जाता है, जो हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ा सकता है। यह समस्या केवल प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि सब्जियों और फलों में भी देखी जाती है। ताजगी दिखाने के लिए केमिकल्स और कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं, यहां तक कि कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां भी हो सकती हैं। खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में भी मिलावट की समस्या तेजी से बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में भी मिलावट के मामले सामने आ रहे हैं। इन क्षेत्रों में जहां स्वच्छ और शुद्ध खाद्य पदार्थों की उम्मीद की जाती है, वहां भी मिलावट का प्रसार चिंता का विषय है। मिलावटखोर ऊंचे दामों पर वस्त्रायुक्त दवाओं, रासायनिक उर्वरकों और हानिकारक केमिकल्स का प्रयोग फलों और सब्जियों पर कर रहे हैं। इन पहाड़ी क्षेत्रों में लोग आम तौर पर अपने स्वास्थ्य को लेकर अधिक सतर्क होते हैं, लेकिन अब यहां भी लोगों को मिलावट से बचने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। मिलावट के दुष्परिणाम हमारे स्वास्थ्य पर गहरे प्रभाव डालते हैं। मिलावट से उत्पन्न होने वाली बीमारियां जैसे कि पेट के रोग, त्वचा संबंधी समस्याएं, कैंसर, हृदय रोग आदि बढ़ रही हैं। छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और वृद्ध लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से हानिकारक होता है। जिन खाद्य पदार्थों का सेवन वे पोषण के लिए करते हैं, वही उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का कारण बनते हैं। इसके अलावा, इन बीमारियों के इलाज पर होने वाला खर्च व्यक्ति और समाज दोनों के लिए आर्थिक बोझ बन जाता है। कई बार गंभीर बीमारियों का इलाज इतना महंगा हो जाता है कि सामान्य परिवार इसे वहन नहीं कर पाते और इससे उनकी आर्थिक स्थिति भी खराब हो जाती है। मिलावट का एक और गंभीर दुष्प्रभाव यह है कि इससे उपभोक्ताओं का खाद्य उत्पादों पर से विश्वास उठने लगता है। लोग यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि जो कुछ भी वे खा रहे हैं, वह उनकी सेहत के लिए सुरक्षित है या नहीं। इसका असर न केवल उपभोक्ताओं की मानसिकता पर पड़ता है, बल्कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के सभी पहलुओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जब लोगों का विश्वास उठने लगता है, तो वे स्वस्थ और सुरक्षित विकल्पों की तलाश में अधिक खर्च करने को तैयार होते हैं, जिससे खाद्य पदार्थों की कीमतों में भी वृद्धि होती है। खाद्य सामग्री में मिलावट को रोकने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं।

> मिलावट का प्रभाव न केवल हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है, बल्कि यह हमारी अर्थव्यवस्था और सामाजिक ढांचे पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यह समस्या केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में भी इसका व्यापक प्रसार हो चुका है। आम जनता के बीच इसके प्रभाव को लेकर व्यापक चिंता है और इसे समाप्त करने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयासों की आवश्यकता है। खाद्य सामग्री में मिलावट के कई कारण हैं, जो इस समस्या की जड़ में मौजूद हैं। सबसे पहला कारण है बेरोजगारी और आर्थिक संकट, जो कई लोगों को गलत तरीकों का सहारा लेने के लिए मजबूर करता है।

आप का नजरीया

खाद्य तेल के विरोधाभास

दीपावली के त्योहारी मौसम में खाद्य तेलों की कीमतों में खूब उबाल आया है। यह चुनाव का मौसम भी है। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी है। इसी दौरान महंगाई का मुद्दा एक बार फिर गरमा उठा है। 'महंगाई डायन खाए जात हो' वाला गीत पहले भी प्रासंगिक था और अब मौजूदा सरकार के दौरान भी मौजू है। एक महीने के दौरान ही ताड़, सूरजमुखी, सोयाबीन, सरसों और मूंगफली के तेल काफी महंगे हो गए हैं। ताड़ के तेल की कीमतों में 37 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। ये सभी रोजाना के इस्तेमाल में आने वाले खाद्य तेल हैं। वे औसतन 58 फीसदी महंगे हुए हैं। बीते माह सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति की दर 5.5 फीसदी थी, जो 9 महीनों में सर्वाधिक थी। खाद्य तेलों की महंगाई भी मुद्रास्फीति से जुड़ी है अथवा यह मुनाफाखोरी, जमाखोरी या कालाबाजारी की महंगाई है! अजीब विरोधाभास है कि भारत दलहन और तिलहन का बड़ा उत्पादक देश है। सरसों, सोयाबीन, ताड़ आदि की फसलें पर्याप्त हुई हैं। उसके बावजूद भारत को 65 फीसदी खाद्य तेल विदेशों से आयात करना पड़ता है। यह मोदी सरकार का ही विरोधाभास नहीं है। मौजूदा सरकार से पहले भी हमें 58 फीसदी खाद्य तेल आयात करना पड़ता था। यह विरोधाभास इसलिए है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी अधिक तिलहन, दलहन की पैदावार का आह्वान करते रहे हैं, किसानों ने अधिक पैदावार की भी है, लेकिन सरकार 10-20 फीसदी फसल की ही खरीद करती है। ऐसा क्यों है? सवाल यह भी है कि भारत ने खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश क्यों नहीं की? भारत कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बना भी है और कइयों में ऐसे प्रयास जारी हैं, लेकिन किसानों की फसल खरीद में अलग-अलग मापदंड हैं। खाद्य तेल घरेलू भोजन का आधार हैं, तो होटल, रेस्तरां, ढाबों और मिठाई की दुकानों की भी बुनियादी जरूरत हैं। उनके यहां खाद्य तेल की खपत खूब होती है, क्योंकि तेल से ही विभिन्न व्यंजन बनाए जाते हैं। अब बीते एक माह के दौरान ही सरसों का तेल 29 फीसदी, सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल 23 फीसदी प्रति महंगे हुए हैं। गनीमत है कि मूंगफली के तेल की कीमतें मात्र 4 फीसदी ही बढ़ी हैं। जाहिर है कि घरेलू और व्यवसायों की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। तेल से बनने वाले व्यंजन या सामान्य भोजन अथवा स्नैक्स आदि सभी महंगे होंगे। क्या आम आदमी इस महंगाई को झेल सकता है? भारत ऐसा देश है, जिसमें आर्थिक आकलन किया गया था कि जिनकी औसतन आय 25,000 रुपए माहवार है, वे देश की सम्पन्न जमात में आते हैं। ऐसी मात्र 10 फीसदी आबादी है। इसके मायने हैं कि देश की अधिकतर आबादी गरीब है, क्योंकि उसकी आमदनी 25,000 रुपए से कम है। क्या ऐसा देश 181 रुपए प्रति लीटर का खाद्य तेल खरीद सकता है और घर की रसोई को 'चिकना' रख सकता है? यह मुद्दा कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने लपक लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आकलन है कि आम आदमी की थाली औसतन 52 फीसदी महंगी हुई है।

प्रदेश के विकास की गाथा को बयां कर रहे 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री बोले, साढ़े सात वर्ष पहले पहचान के संकट से जूझने वाले प्रदेश की आज देश-दुनिया में अलग पहचान बनी

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि साढ़े सात वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। प्रदेश की पहचान देश और दुनिया में दंगे, दुर्दांत माफिया, माफिया गिरोह, राजनीति के अपराधीकरण और शासन के भ्रष्टाचार के रूप में हो गई थी। इसकी वजह से प्रदेश के युवाओं के सामने नौकरी, सम्मान और स्वाभिमान का संकट खड़ा हो गया था। उस दौरान गुंडागर्दी चरम पर थी। प्रदेश में पर्व और त्योहार के नजदीक आते ही लोगों के मन में भय के साथ दहशत पैदा हो जाती थी। उन्हें डर रहता था कि कब कहां दंगा हो जाए। वहीं आज प्रदेश दंगा और अराजकता मुक्त हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां गोमतीनगर स्थित होटल ताज में एक समाचार चैनल के शिखर सम्मेलन में कहा कि पहले जहां निवेशक प्रदेश में निवेश नहीं करना चाहता था। वहीं जिसने निवेश भी किया था तो वह यहां से अपना कारोबार समेट कर भागने की फिराक में रहता था। पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेश की तस्वीर देश और दुनिया में बदली। आज देश और दुनिया के इंवेस्टर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित हो रहे हैं। यही वजह है कि पिछले वर्ष ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। ये निवेश प्रस्ताव उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर और विकास की गाथा का बयां कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश ने भव्य ग्लोबल इंवेस्टर समिट का आयोजन कर देश के सामने नजीर पेश की है। पूरे देश में आज इसकी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में आए प्रस्ताव में से 12 लाख करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। वहीं वर्तमान में 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव तैयार हैं जबकि शेष पर लगातार काम चल रहा है। योगी ने कहा कि यह केवल निवेश नहीं है बल्कि प्रदेश के नौजवानों की नौकरी की संभावनाओं को आगे बढ़ाने वाला अवसर है। आज उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था है। प्रदेश ने तेजी के साथ आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ खुद को स्थापित किया है। वर्ष 2029 तक प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरुप वन ट्रिलियन डालर इकोनॉमी के रूप में खुद को स्थापित करेगा। इसके लिए सभी प्रदेशवासी संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में निवेश और टूरिज्म के लिए अनुकुल माहौल बना है। यह केवल पॉलिसी और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से नहीं हुआ है बल्कि इसके लिए प्रदेश सरकार को चरणबद्ध तरीके से कार्य करना पड़ा था। इसमें जीरो टॉलरेंस नीति की अहम भूमिका रही है। यही वजह है कि आज कोई भी माफिया और अपराधी कानून के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता है। अगर वह सोचता भी है तो कानून उसकी गर्दन पकड़ने का काम करेगी, जैसी वह कानून की धज्जियां उड़ाने के बारे में सोचता है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में हर किसी को सुरक्षा का माहौल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कभी पहचान के संकट से जूझने वाले उत्तर प्रदेश पर देश-दुनिया के हर व्यक्ति की नजरें हैं। वह प्रदेश में निवेश और टूरिज्म का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं। इसके लिए प्रदेश सरकार को कई परिवर्तन करने पड़े। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए कई रिफॉर्म करने पड़े। इसके अलावा कई सेक्टोरियल पॉलिसी बनायी गयी। उत्तर प्रदेश में आज निवेशकों के लिए 28 सेक्टर की अलग-अलग पॉलिसी है। इसमें हर एक इंवेस्टर के लिए द्वार खुले हैं। पहली बार प्रदेश में सिंगल विन्डो के जरिये निवेश मित्र एक साथ 450 एनओसी जारी कर रहे हैं। वहीं निवेशकों की मदद के लिए निवेश सारथी पोर्टल बना हुआ है। इसके जरिये निवेशकों को ऑनलाइन इंसेंटिव दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने जो कहा था, वह आज करके दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े सात वर्षों में सात लाख सरकारी नौकरी युवाओं को दी गई है जबकि करोड़ों युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ उन्हे रोजगार देने वाला बनाया गया है। अब प्रदेश के युवाओं, व्यापारियों, उद्यमियों और सामान्य नागरिक के सामने देश-दुनिया के सामने पहचान का संकट नहीं है बल्कि लोग प्रदेश के हर नागरिक को सम्मान से देखते हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। प्रदेश के पर्व और त्योहार धनतेरस-दीपोत्सव इसकी का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि भगवान धन्वंतरि का जन्म प्रदेश के सबसे प्राचीनतम नगरी वाराणसी में हुआ था, जिसके प्रति आज पूरा देश कृतिज्ञता ज्ञापित करेगा। वहीं अयोध्या में बुधवार को दीपोत्सव का आयोजन होगा। यह पहला आयोजन होगा जबकि 500 वर्षों के बाद रामलला के अपने पावन धाम में विराजमान होने के बाद भव्य दीपोत्सव होगा। योगी ने अंत में सभी प्रदेशवासियों को धनतेरस और दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी।

जींद : धनतेरस पर बाजार में उमड़ी भीड़

जींद (हिंस)। धनतेरस पर्व पर मंगलवार को शहर में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी। धनतेरस के दिन मंगलवार को शहर के मुख्य बाजार में कदम रखने तक की जगह नहीं थी। शहर में आए लोगों ने ज्वैलरी, वाहन और इलेक्ट्रोनिक उत्पादों की खरीद की। लोगों ने सेल के माध्यम से ब्रांडिड आइटमों की खरीददारी की। इसके साथ ही महिलाओं ने स्टील के बर्तनों, रसोई सामान, कपड़े तथा अन्य सजावटी सामान खरीदा। शहर में लगभग पांच दर्जन से अधिक बर्तनों की दुकानें हैं। धनतेरस पर लोगों ने रसोई के सामान की जमकर खरीदारी की है। लोगों ने बर्तनों की भी जमकर खरीददारी की। धनतेरस पर इलेक्ट्रोनिक्स दुकानों पर भी लोगों की भारी भीड़ रही। शहर में इलेक्ट्रोनिक्स की लगभग 100 मुख्य दुकानें हैं। मंगलवार को लोगों ने विभिन्न कंपनियों के टीवी, फ्रिज, एलईडी, वाशिंग मशीन, लेपटॉप आदि की खरीददारी में दिलचस्बी दिखाई। दुकानदारों का मानना है कि लोग एलईडी को ज्यादा त्वज्जो दे रहे हैं। बाजार में ग्राहकों की मांग को देखते हुए 19 इंच से 85 इंच तक की एलईडी साढ़े 10 हजार से दो लाख रुपए तक उपलब्ध रही। ऑटोमेटिक वाशिंग मशीन लोगों को लुभा रही थी जोकि 45 हजार रुपए तक की रेंज में हैं। सिंगल के साथ डबल डोर फ्रिज चलन में है जोकि 40 से 50 हजार तक की रेंज में हैं। इसके अलावा लैपटॉप की डिमांड भी इस बार बढ़ी है। बाजार में विभिन्न कंपनियों के 30 से 35 मॉडल 14 हजार से 70 हजार रुपए कीमत में मिले।

बीएसएफ जवानों ने घर से दूर घर जैसे माहौल में दीये और मोमबत्तियों के साथ सरहद को किया रोशन

जैसलमेर (हिंस)। देश की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर विषम भौगोलिक परिस्थितियों में अदम्य साहस के साथ ड्यूटी करने वाले देश के सबसे बड़े संगठन के रूप में जाने जाने वाले सीमा सुरक्षा बल के राजस्थान फ्रंटियर के अधीन सीमान्त एवं मरुस्थलीय जिले जैसलमेर से लगती अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बल के जवान पांच दिवसीय दीपोत्सव का त्यौहार घर से दूर घर जैसे वातावरण में मना रहे हैं। इस दौरान सीमा सुरक्षा बल परिवार ने अँधेरे पर प्रकाश की जीत के दीपोत्सव के पांच दिवसीय त्यौहार की शुरुआत की तथा अग्रिम सीमा चौकियों पर उपस्थित जवानों ने दीप जलाने के साथ मुंह मीठा कर देशवासियों को शुभकामनाएं प्रदान कीं। जवानों ने घर से दूर घर जैसे माहौल में दीये और मोमबत्तियों के साथ सरहद को रोशन किया। सरहद के पार जहां अंधेरा पसरा हुआ था वहीं भारतीय सीमा फ्लड लाईटों के साथ साथ दीयों व मोमबत्ती की रोशनियों से रोशन हो गई हैं। अपने घर परिवार से सैकड़ों किलो मीटर दूर बैठकर देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सीमा सुरक्षा बल के जवान तथा महिला जवान भी दीपावली का त्यौहार दीप प्रज्वलित कर और रंगोली बना कर धूमधाम से मना रहे हैं। पाकिस्तान से लगती सीमा पर स्थित तारबंदी व बीएसएफ की सीमा चौकियों को जवानों ने खूबसूरत व आकर्षक रोशनी से सजाया हैं।

छात्रा से अश्लील हरकत के आरोप में वरिष्ठ अध्यापक निलंबित

जयपुर (हिंस)। संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा) कोटा संभाग ने झालावाड़ विद्यालय में छात्रा से अश्लील हरकत के आरोप में उर्दू के वरिष्ठ अध्यापक को निलंबित कर दिया है। संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा) कोटा संभाग तेज कंवर की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि झालावाड़ के मनोहरपुरा स्थित राबाउमावि में वरिष्ठ अध्यापक (उर्दू) सैयद अली के खिलाफ विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा-नौ की छात्रा के साथ मोबाइल पर अश्लील बातें, प्रलोभन भरे मैसेज करने एवं अशोभनीय व्यवहार करने की शिकायत मिली थी। प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया शिकायत की पुष्टि होने के कारण सैयद अली के विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ करते हुए राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम-1958 के नियम 13 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबनकाल में इनका मुख्यालय कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डग रहेगा।

विद्यार्थी परिषद वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ प्रतिबद्धता से कार्य करने वाला संगठन : निंबाराम

धौलपुर (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद धौलपुर के जिला कार्यालय उद्घाटन समारोह का आयोजन क्षेत्रीय प्रचारक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ निंबाराम एवं क्षेत्र संगठन मंत्री वनवासी कल्याण आश्रम अश्वनी शर्मा के सानिध्य में मचकुंड रोड़ रणछोड़ नगरी धौलपुर में आयोजित हुआ। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक राजस्थान क्षेत्र निंबाराम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के हितों के लिए एबीवीपी सदैव तत्पर रहा है। उन्होंने संपूर्ण राज्य में पहला अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का जिला कार्यालय बनाने के लिए समस्त दायित्ववान कार्यकर्ताओं एवं जिले के भामाशाहों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यालय का उपयोग विद्यार्थियों के हितों में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एबीवीपी वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ प्रतिबद्धता से कार्य करने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि धनतेरस के दिन एबीवीपी कार्यालय का उद्घाटन होना एक सुखद संयोग है। विद्यार्थियों को बैठकों एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हेतु एक स्थाई स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एवं भामाशाह पूर्व राज्य मंत्री राजस्थान सरकार डॉ. अब्दुल सगीर खान का शॉल ओढ़ाकर एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। क्षेत्र संगठन मंत्री वनवासी कल्याण आश्रम अश्वनी शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का राज्य का पहला जिला कार्यालय बना हैं, निश्चित रूप से इसमें अनेक कार्यकर्ताओं का परिश्रम एवं जिले के विभिन्न गणमान्य लोगों का आर्थिक सहयोग तथा समर्थन से बनकर तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि छात्र शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। उन्होंने छात्र शक्ति को समृद्धशाली एवं स्वाभिमानी राष्ट्र के पुनर्निर्माण करने के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जिले वासियों को दीपावली पर्व की बधाई दी। पूर्व सम कुलपति डॉ. मनरूप सिंह मीणा ने कार्यालय निर्माण समिति अध्यक्ष के रूप में उद्बोधन दिया। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्य प्रणाली सहित एबीवीपी जिला कार्यालय के निर्माण हेतु प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान देने वाले जिले के प्रबुद्धजन एवं कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रांत मंत्री एबीवीपी जयपुर प्रांत अभिनव सिंह ने उद्बोधन देते हुए कहा कि एबीवीपी 9 जुलाई 1949 को विधिवत रूप से एक छात्र संगठन के रूप में पंजीकृत हुआ । जो विश्व का 5 मिलियन सदस्यता वाला एक मात्र गैर राजनैतिक संगठन है। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी से ही भारत को एक शक्तिमान, समृद्धशाली एवं स्वाभिमानी राष्ट्र के रूप में पुनर्निर्मित करने का सपना साकार हो रहा है। धन्यवाद उद्बोधन नगर मंत्री नीरज शर्मा ने दिया। मंच संचालन नगर अध्यक्ष एबीवीपी व्याख्याता भगवान सिंह मीना ने किया। मंच पर पूर्व सम कुलपति इग्नू डॉ. मनरूप सिंह मीणा, प्रांत मंत्री अभिनव सिंह, नगर अध्यक्ष भगवान सिंह मीना एवं नगर मंत्री नीरज शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर एबीवीपी के दायित्ववान कार्यकर्ता डॉ. हेमंत महावर, नितेश हंतरा, रोहित चतुर्वेदी, ओम प्रकाश शर्मा, श्रीकांत त्यागी, डॉ. शोहराब शर्मा, साहित्य परिषद के विपिन, जतिन, डॉ. पीएस तिवारी, विष्णु शर्मा, विकास अग्रवाल, समरथ, शैलेंद्र, वीर सिंह टांक, नेकराम मीना, गोविंद पतंजलि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दायित्ववान कार्यकर्ता उत्कर्ष, रामखत्यार सिंह, डॉ. शिवदयाल मंगल, नाहर सिंह, अनुराग शर्मा, राकेश, रामअवतार, जितेंद्र कुमार, सुमित राणा, डॉ. विजय सिंह, डॉ. परमेश पाठक, लाखन सिंह, पुरुषोत्तम शर्मा, विश्व हिंदू परिषद के राम शर्मा, भाजपा के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पराशर, उपाध्यक्ष धीर सिंह जादौन, पीजी कॉलेज प्राचार्य डॉ. गिर्राज सिंह मीणा सहित एबीवीपी कार्यकर्ताओं सहित अन्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने *रन फॉर यूनिटी* मैराथन को दिखाई हरी झंडी

आपणो स्वस्थ राजस्थान बनाने की दिशा में अग्रसर हमारी सरकार : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लौह रुपुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारतीय रियासतों का एकीकरण कर एक सशक्त भारत का निर्माण किया। उनकी जयंती पर आयोजित रन फॉर यूनिटी मैराथन हमें विविधता में एकता के महत्व का संदेश देते हुए उनके अतुलनीय साहस और संकल्प का स्मरण कराती है। शर्मा ने मंगलवार को अमर जवान ज्योति पर *रन फॉर यूनिटी -एक भारत, श्रेष्ठ भारत* मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और उपस्थित जन समूह से राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ का वाचन कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जिस तरह सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ शक्ति के बल पर देश को एकता के सूत्र में पिरोया, उससे नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए और राष्ट्रीय एकता के लिए समर्पित होकर कार्य करना चाहिए। शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल के विराट व्यक्तित्व को दर्शाने के लिए प्रधानमंत्री ने गुजरात में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कराया है। इस मूर्ति के निर्माण के लिए राजस्थान सहित पूरे देश के लोगों ने लोहा देकर अपना योगदान दिया। यह एक मूर्ति नहीं है, बल्कि भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक है। जम्मू कश्मीर से हटाई धारा 370, दिया एकता का अहम संदेश मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस संकल्प के साथ देश को एकजुट किया उसी पथ पर चलते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त कर *एक देश, एक विधान और एक निशान* के संकल्प को और मजबूत करने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर सरदार पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में प्रतिवर्ष 31 अक्तूबर को पूरे जज्बे और जोश के साथ सम्पूर्ण भारत वर्ष में मनायी जाती है। इस वर्ष 31 अक्तूबर को दीपावली पर्व होने के कारण प्रधानमंत्री ने देशवासियों को इसे 29 अक्तूबर को आयोजित करने का आग्रह किया था। खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित *रन फॉर यूनिटी* फिट इंडिया का संदेश देती है। इस अवसर पर जयपुर लोकसभा सांसद मंजू शर्मा, सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा, पुलिस महानिदेशक यूआर साहू, खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के पवन सहित भारी संख्या में पुलिस के जवान, एनसीसी कैडेट, स्काउट गाइड सहित सभी आयुवर्ग के धावक उपस्थित थे।

भरतपुर/जयपुर (हिंस)। धन्वंतरि जयंती और नौवें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार दोपहर राजस्थान में वर्चुअली आठ क्रिटिकल केयर ब्लॉकों की आधारशिला रखी। राजस्थान में क्रिटिकल ब्लॉक क्रमश: चूरू, बूंदी, चित्तौड़गढ़, सिरोही, करौली, धौलपुर और हनुमानगढ़ है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम से भरतपुर के आरबीएम अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। प्रधानमंत्री ने इस दौरान देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक ताने-बाने की आत्मा *सर्वे सन्तु निरामय* को आधार मानते हुए सबका साथ-सबका विकास की संकल्पना के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र को विकसित करने के लिए अथक प्रयास किए गए हैं तथा आगामी 25 वर्षों में भी सुदृढ़ स्वास्थ्य क्षेत्र विकसित भारत का मजबूत आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विकसित एवं निरामय भारत के सपने को पूरा करने के लिए संकल्पित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अब 70 वर्ष तथा इससे अधिक के बुजुर्गों को 5 लाख तक का नि:शुल्क इलाज मिलेगा। इससे वे स्वाभिमान के साथ अपना जीवन जी सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में तकनीक के उपयोग पर भी जोर दे रही है। इसी का परिणाम है कि ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से 30 करोड़ लोग ऑनलाइन परामर्श ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में भारत मेडिकल एवं वैलनेस टूरिज्म के क्षेत्र में एक बड़े केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। आज योग, पंचकर्म सहित विभिन्न प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों से इलाज के लिए विश्वभर से लोग भारत आते हैं।

सरकारी सहायता नहीं मिलने पर बाढ़ प्रभावित लोगों का आमरण अनशन

भागलपुर (हिंस)। जिले के शाहकुंड प्रखंड के बाढ़ प्रभावित लोगों ने सरकारी सहायता नहीं मिलने पर आमरण अनशन शुरू कर दिया है। इसके पूर्व डोमनीया पंचायत और खुलनी पंचायत के बाढ़ प्रभावितों ने सीओ के खिलाफ शाहकुंड प्रखंड मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करते हुए आमरण अनशन शुरू किया। आमरण अनशन पर बैठे लोगों को समर्थन देने मंगलवार को जन संसद के संगरक्षक अजीत कुमार अपने कार्यकर्ताओं के साथ शाहकुंड प्रखंड पहुंचे, जहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात करते हुए बाढ़ प्रभावित लोगों को आमरण अनशन का सर्मथन दिया। मौके पर शाहकुंड बीडीओ राजीव रंजन ने बाढ़ प्रभावित लोगों एवं जन संसद के संरक्षक अजीत कुमार बातचीत करते हुए कहा कि आप लोगों की समस्या का निदान जल्द किया जाएगा। इसके लिए एसडीओ से बातचीत किया गया है। उन्होंने समस्या को लिखित रुप से एक प्रतिनिधि मंडल बनाकर देने की बात कही। उन्होंने कहा कि आप लोगों की समस्या एसडीओ तक भेजी जाएगी। जन संसद के संरक्षक अजीत कुमार ने बताया कि शाहकुंड सीओ के द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों की सूची नहीं देने के कारण इन लोगों को मुआवजा नहीं मिला है। ऐसे सीओ को तत्काल पद से हटाया जाए। उन्होंने कहा कि शाहकुंड बीडीओ राजीव रंजन के कहने पर और दिपावली और छठ पर्व को देखते हुए तत्काल आमरण अनशन स्थगित कर दिया गया है। अगर बाढ़ प्रभावित लोगों कोछठ पूजा तक मुआवजा नहीं मिलता है तो आमरण अनशन जारी रहेगा।

बसपा प्रमुख मायावती ने भाजपा और कांग्रेस पर बोला हमला

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को भाजपा और कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने दोनों पार्टियों को एक ही थाली के चट्टे-बट्टे कहा है। मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए मायावती ने कहा कि देश के करोड़ों शोषित व उपेक्षित दलितों के आरक्षण विरोधी तथा उनकी आपसी एकता की दुश्मन जातिवादी पार्टियों द्वारा आरक्षण में कोटे के बंटवारे के प्रति सक्रियता से यह साबित है कि भाजपा व कांग्रेस एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। उनसे समाज व संविधान को खतरा घटा नहीं बल्कि बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार के बाद अब तेलंगाना व कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की दलितों को बांटने के लिए उनके आरक्षण के भीतर आरक्षण की नई व्यवस्था को आपाधापी में लागू करने का फैसला वास्तव में आरक्षण को निष्क्रिय व निष्प्रभावी बनाने के षड्यंत्र का नया प्रयास है।

दस वर्षों से टूटे पुल के निर्माण की बाट जोह रहे ग्रामीण

पानी के रास्ते आते-जाते आधा दर्जन से अधिक लोगों की डूबने से हो चुकी है मौत

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले के सुगौली प्रखंड के दक्षिणी मनसिंघा पंचायत के मुसवा भेडियारी गांव और हाता बक्सा गांव के बीच बहने वाली पईन पर बने पुल पिछले दस वर्षों से अधिक से समय से ध्वस्त है। जिसके कारण दोनों गांवों किसानों को खेती और आवाजाही के साथ ही बच्चो को स्कूल जाने में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पुल निर्माण के लिए कई बार विधायक, मंत्री और अधिकारियों को कहा गया पर सबने अनसुनी कर दी। जिस कारण सालो भर इस पार से उस पार जाने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ता है। उल्लेखनीय है, कि इस पुल का निर्माण पूर्व मंत्री रामचंद्र सहनी के द्वारा वर्ष 2009 में कराई गई थी। लेकिन महज दो से तीन वर्षों बाद सिकरहना नदी के बाढ़ के कारण पुल ध्वस्त हो गया। साथ ही अप्रोच रोड भी टूट गया। इतना ही नही पुल की समस्या से परेशान मुसवा भेड़िहारी गांव के दर्जनों लोगों ने पलायन कर दूसरी जगह घर बना लिए है। लोगो ने बताया कि सबसे परेशानी तब होती है, जब रात में अचानक किसी की तबीयत खराब होती है, तब काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगो ने बताया कि इस पइन होकर सालो भर पानी बहता रहता है। अगर उस पार कोई किसान खेती करने गया है तो उसके लिए भोजन और पानी ले जाने में भी लोगों को सोचना पड़ता है। अगर पुल के पास नाव नहीं रहे तो जान पर खेल कर जाना पड़ता है। पूर्व सरपंच अंगद चौरसिया ने बताया कि पुल के उस पार किसानों का खेत है। किसानों को खेती करने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी फसल कटनी के समय होती है। फसल काट लेने के बाद लाने के लिए किसानों को कई दिन लग जाते हैं। साथ ही बच्चों को स्कूल जाने में भी काफी परेशानी उठानी पड़ती है। इन गांवो के लोगो की जिंदगी बरसात में बेहाल हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया पुल को लेकर स्थानीय विधायक ई शशि भूषण सिंह को अवगत कराया गया। उन्होंने छः महीने में पुल निर्माण कराने की बात कही तब से कई साल बीत गए। लेकिन हालात जस की तस बनी हुई है। लोग पुल निर्माण की बाट ही जोह रहे है।

धनतेरस के दिन सस्ता हुआ सोना चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली।

घरेलू सर्राफा बाजार में धनतेरस के दिन सोने करीब 500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। हालांकि चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 80 हजार रुपये के स्तर से लुढ़क कर 79,940 रुपये से लेकर 79,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,290 रुपये से लेकर 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इस चमकीली धातु की कीमत भी 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,840 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी कीमत में गिरावट आने के कारण सोना सस्ता हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण विकास अवसरः एसईफॉरऑल

सिंगापुर। विएना स्थित एक अंतरराष्ट्रीय सतत विकास एजेंसी के अनुसार भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण विकास अवसर उपलब्ध हैं। सस्टेनेबल एनर्जी फॉर ऑल (एसईफॉरऑल) की निदेशक एवं चीफ ऑफ स्टाफ कनिका चावला ने कहा कि भारत सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर गहरी तथा निरंतर प्रतिबद्धता दिखाई है। सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सप्ताह से पहले मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि भारत में अधिक विनिर्माण (नवीकरणीय ऊर्जा) हो रहा है, जिससे सुरक्षा में भी सुधार होगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सप्ताह' का आयोजन 21 से 25 अक्टूबर तक किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत विनिर्माण के लिए प्रदर्शन-संबंधी प्रोत्साहन जैसी नीतियों का उपयोग कर रहा है। यह बेहद प्रशंसनीय है और लोगों के लिए ऊर्जा आर्थिक समृद्धि लाता है। उन्होंने कहा कि भारत हिमाचल प्रदेश, कश्मीर और लद्दाख में भूतापीय ऊर्जा के विकल्प भी तलाश रहा है। पवन ऊर्जा के लिए अपतटीय अन्वेषण कार्य जारी है और गुजरात तथा तमिलनाडु में व्यापक विकल्प मौजूद हैं। चावला ने कहा कि भारत अब भी मूल्य के प्रति बहुत संवेदनशील बाजार है, इसलिए नवीकरणीय ऊर्जा इकाइयों की लागत कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने हरित हाइड्रोजन मिशन द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं और जारी प्रयासों, जैसे कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ साझेदारी तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व्यवस्था का उल्लेख भी किया।

मारुति सुजुकी का मुनाफा दूसरी तिमाही में 18 फीसदी घटकर 3,102 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 18 फीसदी घटकर 3,102 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में मारुति सुजुकी इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ 18.06 फीसदी घटकर 3102.50 करोड़ रुपये रह गया जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 3786.20 करोड़ रुपये रहा था। एमएसआई के मुताबिक दूसरी तिमाही में उसकी बिक्री 0.14 फीसदी बढ़कर 35586.50 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है जबकि सितंबर 2023 को समाप्त समान तिमाही में यह 35535.20 करोड़ रुपये रही थी। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में एमएसआई ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय बढ़कर 37,449 करोड़ रुपये हो गई है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में 37,339 करोड़ रुपये थी।

व्हील्स इंडिया का हाइड्रोलिक्स कारोबार के दो-तीन वर्ष में दोगुना होने की उम्मीदः प्रबंध निदेशक

चेन्नई। ट्रक, यात्री वाहनों और निर्माण उपकरणों के लिए पहिये बनाने वाली कंपनी व्हील्स इंडिया लिमिटेड को अगले दो-तीन वर्षों में अपने हाइड्रोलिक्स कारोबार को दोगुना करने की उम्मीद है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि व्हील्स इंडिया का हाइड्रोलिक्स व्यवसाय से वर्तमान में कारोबार 150 करोड़ रुपये है। अधिकारी ने यहां कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा करते हुए कहा कि हाइड्रोलिक्स व्यवसाय में निर्यात के काफी अवसर हैं। हम वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विस्तार कर रहे हैं। हम यूरोप तथा उत्तरी अमेरिका में निर्माता के लिए आपूर्तिकर्ता हैं, हमें अगले दो-तीन वर्षों में हाइड्रोलिक्स व्यवसाय को 150 करोड़ रुपये से अधिक के वर्तमान स्तर से दोगुना करने का भरोसा है। उन्होंने कहा कि व्हील्स इंडिया इस वर्ष पूंजीगत व्यय के लिए 225 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता के साथ अपनी योजना पर आगे बढ़ रहा है। व्हील्स इंडिया लिमिटेड ने जुलाई-सितंबर 2024 तिमाही में 21.92 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में 5.24 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में राजस्व 1,085 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,189 करोड़ रुपये था।

तीन कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिये दी स्टॉक मार्केट में दस्तक, शुरुआती कारोबार में आईपीओ निवेशकों को मुनाफा

नई दिल्ली।

घरेलू शेयर बाजार में तीन कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिये दस्तक दी। इन तीनों कंपनियों के शेयर प्रीमियम के साथ लिस्ट होने में सफल रहे। लिस्टिंग के बाद एक कंपनी के शेयर खरीदारी के सपोर्ट से अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। वहीं दो कंपनियां शुरुआती उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करती नजर आ रही हैं। यानी लिस्ट हुई तीनों कंपनियां के आईपीओ निवेदक फायदे में बने हुए हैं। प्रीसिजन मेटल कंपोनेंट बनाने वाले कंपनी ओबीएससी परफेक्शन कर 10 प्रतिशत प्रीमियम के साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 100 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे लेकिन इसकी लिस्टिंग 110 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर 115.50 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 15.50 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। ओबीएससी परफेक्शन का 66.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। आईपीओ के तहत 66.02 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। ये आईपीओ ओवरऑल 16.56 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और दूसरे सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने में करेगी। ही ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी दानिश पावर के शेयर की भी 50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई। आईपीओ के तहत कंपनी ने 380 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर 570 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद इस शेयर में उतार चढ़ाव शुरू हो गया। बिकवाली के दबाव में ये शेयर 541.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गया लेकिन इसके बाद खरीदारी शुरू होने पर इसमें तेजी आ गई। दिन का पहला कारोबारी सत्र खत्म होने के बाद दोपहर 12 बजे दानिश पावर के शेयर 218.50 रुपये की मजबूती के साथ 598.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक इस कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 57.50 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। कंपनी का 197.90 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला, जिसके कारण ये ओवरऑल 126.65 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52.01 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी फैक्टरी शेड बिल्डिंग बनाने, नई मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और पुराने कर्ज को चुकाने में करेगी। ही घरेलू शेयर बाजार में हीट एक्सचेंजर और प्रेशर वेसल्स बनाने वाली कंपनी यूनाइटेड हीट ट्रांसफर के शेयर की भी 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ घरेलू शेयर बाजार में एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी ने 59 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग 60.95 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 63.95 रुपये के स्तर तक पहुंचा लेकिन इसके बाद बिकवाली दबाव बन जाने के कारण ये शेयर लुढ़क कर 57.95 के स्तर तक आ गया। हालांकि ये गिरावट भी अधिक देर तक नहीं टिकी। खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये शेयर रिकवरी करके वापस हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। दिन का पहला कारोबारी सत्र खत्म होने के बाद दोपहर 12 बजे ये शेयर 3 रुपये यानी 5.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 62 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। यूनाइटेड हीट ट्रांसफर का 30 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। निवेशकों के जोरदार रिस्पॉन्स के कारण ये आईपीओ ओवरऑल 83.70 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 50.84 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्जों को चुकाने और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में करेगी।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक का वित्त वर्ष 23-24 में मुनाफा बढ़कर 1,511 करोड़ हुआ

2022-23 में लाभ 1,344.9 करोड़ और परिचालन आय 19,864.6 करोड़ रुपये रही

नई दिल्ली।

फ्रिज, टीवी बनाने वाली कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का वित्त वर्ष 2023-24 में मुनाफा 12.35 प्रतिशत बढ़कर 1,511.1 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय आंकड़ों के अनुसार कंपनी की परिचालन आय 7.48 प्रतिशत बढ़कर 21,352 करोड़ रुपये हो गई।कंपनी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध नहीं है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का 2022-23 में लाभ 1,344.9 करोड़ रुपये और परिचालन आय 19,864.6 करोड़ रुपये रही थी। वित्त वर्ष 2023-24 में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की कुल आय 7.2 प्रतिशत बढ़कर 21,557.1 करोड़ रुपये हो गई, जबकि अन्य आय स्रोतों से उसका राजस्व 16 प्रतिशत घटकर 205.1 करोड़ रुपये रहा। दक्षिण कोरिया स्थित एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी की कर-पूर्व आय 11.9 प्रतिशत बढ़कर 2,037.1 करोड़ रुपये रही। कुल कर व्यय 11.36 प्रतिशत बढ़कर 526 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले यह 472.3 करोड़ रुपये था।एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का कुल खर्च वित्त वर्ष 2023-24 में 6.73 प्रतिशत बढ़कर 19,520 करोड़ रुपये हो गया, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 18,288.3 करोड़ रुपये था। मीडिया की कुछ खबरों के अनुसार इसकी मूल कंपनी तथा दक्षिण कोरिया स्थित चैबोल एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स अपने भारतीय कारोबार के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन संतोषजनक रहा : वित्त मंत्रालय

त्यौहारी सीजन के कारण मांग में अपेक्षित सुधार और सरकारी व्यय में इजाफे से मिल रही है मदद

नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन संतोषजनक रहा, लेकिन आगे मांग की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का परिदृश्य अच्छा है, जिसे स्थिर बाह्य क्षेत्र, सकारात्मक कृषि परिदृश्य, त्यौहारी सीजन के कारण मांग में अपेक्षित सुधार और सरकारी व्यय में इजाफे से मदद मिल रही है। इससे निवेश गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा सोमवार को जारी मासिक आर्थिक समीक्षा के सितंबर संस्करण में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था में मांग की स्थिति पर नजर रखी जानी चाहिए। उपभोक्ता भावना में नरमी,

सामान्य से अधिक वर्षा के कारण सीमित ग्राहक संख्या, तथा मौसमी अवधि के दौरान लोग नई खरीदारी से परहेज करते हैं, के कारण शहरी मांग में कमी आती दिख रही है। इसके अलावा कुछ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में भू-राजनीतिक संघर्ष बढ़ने, भू-आर्थिक विखंडन गहराने तथा वित्तीय बाजारों में ऊंचे मूल्यांकन से विकास के लिए जोखिम उत्पन्न हो रहे हैं। इसमें कहा गया है कि भारत पर इनके प्रभाव से नकारात्मक संपत्ति प्रभाव पड़ सकता है, घरेलू भावनाएं प्रभावित हो सकती हैं तथा टिकाऊ वस्तुओं पर खर्च करने की मंशा बदल सकती है।

रिटर्न के मामले में क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने सोने को भी छोड़ा पीछे

बिटकॉइन की कीमत 70 हजार डॉलर लगभग 60 लाख रुपए के पार

मुंबई।

धनतेरस पर काफी लोग सोना खरीदते हैं। पिछले कुछ वर्षों में सोना अच्छा रिटर्न दे रहा है, हालांकि इस बार क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने बाजार में धूम मचा रखी है। इसने सोने को भी पीछे छोड़ दिया है। इस करेंसी ने एक साल में दोगुने से ज्यादा रिटर्न दिया है। इस समय बिटकॉइन की कीमत 70 हजार डॉलर (लगभग 60 लाख रुपए) के पार पहुंच गई है, जो कि इसके उच्च स्तर के करीब है।

इसका सर्वकालिक उच्च मूल्य इसी साल 1 मार्च को 73,798 डॉलर (करीब 62 लाख रुपए) तक पहुंचा था। पिछले एक साल में सोने ने लगभग 29 फीसदी रिटर्न दिया है, जबकि बिटकॉइन ने करीब 108 फीसदी का रिटर्न दिया है। एक साल पहले एक बिटकॉइन की कीमत करीब 28.73 लाख रुपए थी, जो अब बढ़कर 59.74 लाख रुपए हो गई है।

इस प्रकार, बिटकॉइन ने अपने निवेश को एक साल में दोगुना से ज्यादा कर दिया है। विशेषज्ञ

बिटकॉइन की कीमत में वृद्धि को अमेरिकी चुनावों से जोड़ते हैं। डोनाल्ड ट्रंप जो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं, ने अपनी चुनावी मुहिम के दौरान डिजिटल करेंसी का समर्थन किया था। यदि ट्रंप चुनाव जीतते हैं, तो इससे क्रिप्टोकरेंसी को एक नई गति मिल सकती है। हालांकि, अनेक सर्वेक्षणों में ट्रंप को डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस से टक्कर मिल रही है। क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडर्स का मानना है कि भले ही ट्रंप या हैरिस में से कोई भी चुनाव जीते, बिटकॉइन की कीमत नवंबर के अंत तक 80 हजार डॉलर तक पहुंच सकती है। यदि ऐसा होता है, तो यह बिटकॉइन का नया उच्च स्तर होगा। इस प्रकार धनतेरस पर जब सोने की खरीदारी चल रही है, तो निवेशक बिटकॉइन की ओर भी ध्यान दे रहे हैं, जो कि अब एक संभावित और आकर्षक निवेश विकल्प बन चुका है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशियाई बाजारों में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी बनी रही। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स 370 अंक से अधिक उछाल कर बंद हुआ।

इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,823.52 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,567.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,319.48 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.44 प्रतिशत उछल कर 8,285.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,556.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,531.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर गिरावट का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं।

निक्केई इंडेक्स 171.93 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,777.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत उछल कर 1,457.10 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 161.50 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,253.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.33 प्रतिशत लुढ़क कर 3,572.38 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। ये सूचकांक फिलहाल 405.94 अंक यानी 1.78 प्रतिशत टूट कर 22,792.13 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,599.41 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.06 प्रतिशत फिसल कर 20,587.65 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 7,633.18 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.66 प्रतिशत लुढ़क कर 3,300.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

रॉड्री ने जीता बैलन डी'ओर 2024, यह पुरस्कार जीतने वाले पहले मैनचेस्टर सिटी खिलाड़ी बने

पेरिस।
स्पेन और मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रोड्री ने सोमवार को विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए दिये जाने वाला बैलन डीओर पुरस्कार जीता, उन्होंने इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए रियल मैड्रिड और ब्राजील के विनिसियस जूनियर और इंग्लैंड के जूड बेलिंगहैम को हराया।

पहली बार पुरस्कार जीतने वाले रॉड्री ने पिछले सीजन में अपनी टीम को लगातार चौथी बार प्रीमियर लीग ट्रॉफी जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्पेन द्वारा रिकॉर्ड-चौथा खिताब जीतने के बाद उन्हें इस साल की यूरोपीय चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। 28 वर्षीय मैड्रिड के मूल निवासी 1990 में लोथर मैथॉस के बाद बैलन डीओर जीतने वाले पहले डिफेंसिव मिडफील्डर हैं और अल्फ्रेडो डि स्टेफानो (1957 और 1959) और लुइस सुआरेज़ (1960) के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले तीसरे स्पेनिश खिलाड़ी हैं। हालांकि इस पुरस्कार पर स्पेनिश लीग के खिलाड़ियों का दबदबा रहा है, लेकिन 60 साल से ज़्यादा पहले बार्सिलोना के महान खिलाड़ी लुइस सुआरेज़ के बाद से किसी भी स्पेनिश खिलाड़ी ने यह पुरस्कार नहीं जीता है, जबकि स्पेन की गोल्डन जेनरेशन ने 2010 विश्व कप, 2008 और 2012 यूरो जीते थे। लेकिन रॉड्री, जिस खिलाड़ी को सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने दुनिया का सबसे अच्छा मिडफील्डर कहा था, ने आखिरकार उस दौर को एक अनोखे कौशल के साथ समाप्त किया, जिसने उनके क्लब को इंग्लैंड में प्रमुख ताकत बना दिया और स्पेन को फिर से यूरोप पर राज करने में मदद की।

रॉड्री ने समारोह में मंच पर कहा, आज की जीत मेरे लिए नहीं है, यह स्पेनिश फ़ुटबॉल के लिए है, उन कई खिलाड़ियों के लिए है जिन्होंने इसे नहीं जीता है और इसके हकदार हैं, जैसे (एंड्रेस) इनिएस्ता, ज़ावी (हर्नांडेज़), इकर (कैसिलस), सर्जियो बुस्केट्स, और भी कई अन्य। यह स्पेनिश फ़ुटबॉल और मिडफील्डर के व्यक्तित्व के लिए है, आज, कई दोस्तों ने मुझे लिखा है और बताया है कि फुटबॉल ने जीत हासिल की है, क्योंकि इसने कई मिडफील्डर्स को पहचान दिलाई है, जो गुमनामी में काम करते हैं, और आज यह बात सामने आ रही है। मैं मूल्यों वाला एक सामान्य व्यक्ति हूँ, जो पढ़ाई करता है, जो चीजों को सही तरीके से करने की कोशिश करता है और रूढ़ियों का पालन करने की कोशिश नहीं करता, और फिर भी, मैं शीर्ष पर पहुँचने में सक्षम हूँ, और यह आप सभी की बदौलत है।

न्यूज ब्रीफ

भारत के खिलाफ अंतिम टेस्ट से बाहर हुए केन विलियमसन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियमसन भारत के खिलाफ शुक्रवार से मुंबई में शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। 34 वर्षीय विलियमसन, जो बेंगलुरु और पुणे में पहले दो टेस्ट में भी नहीं खेल पाए थे, तीसरे टेस्ट का भी हिस्सा नहीं होंगे, इसके बजाय वह इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिए तैयार होने के लिए अपनी कमर की चोट का पुनर्वास जारी रखेंगे। इंग्लैंड का पहला टेस्ट 28 नवंबर से क्राइस्टचर्च के हेग्ले ओवल में शुरू होगा। न्यूजीलैंड ने बेंगलुरु में भारत को आठ विकेट से और पुणे में 113 रन से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली और भारत में पहली बार ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज़ जीत ली है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, केन लगातार अच्छे संकेत दिखा रहे हैं, लेकिन वह विमान में चढ़ने और हमारे साथ जुड़ने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। हालांकि चीजें आशाजनक दिख रही हैं, हमें लगता है कि उसके लिए सबसे अच्छा कदम न्यूजीलैंड में रहना और अपने पुनर्वास के अंतिम भाग पर ध्यान केंद्रित करना है, इसलिए उसके लिए इंग्लैंड जाना अच्छा रहेगा। इंग्लैंड सीरीज में अभी एक महीना बाकी है इसलिए अभी सतर्क रुख अपनाने से यह सुनिश्चित हो जाएगा कि वह क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट के लिए तैयार हैं।

रियल मैड्रिड ने बैलन डी ओर समारोह का बहिष्कार किया, कहा-यह यूईएफए क्लब का सम्मान नहीं करता

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने पेरिस में होने वाले बैलोन डीओर समारोह का बहिष्कार किया और कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि पुरुष वर्ग का पुरस्कार जीतने के प्रबल दावेदार उसके स्ट्राइकर विनिसियस को नजरअंदाज किया गया है। क्लब ने एएफपी से कहा, यह स्पष्ट है कि बैलन डीओर-यूईएफए रियल मैड्रिड का सम्मान नहीं करता है। और रियल मैड्रिड वहां नहीं जाता जहां उसका सम्मान नहीं होता। पिछले सीजन में रियल मैड्रिड के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग, स्पेनिश सुपर कप और ला लीगा जीतने वाले विनिसियस ट्रॉफी जीतने की दौड़ में सबसे आगे थे। लेकिन समारोह से कुछ घंटे पहले, यह पता चला कि न तो ब्राजीलियाई और न ही उनकी टीम के किसी भी खिलाड़ी को किसी भी पुरस्कार के लिए चुना नहीं गया है। पेप गार्डियोला द्वारा इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के रूप में प्रचारित, 28 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में अपने क्लब के साथ प्रीमियर लीग और अपने देश के साथ 2024 यूरोपीय चैंपियनशिप जीता था।

रंगपुर राइडर्स के मुख्य कोच नियुक्त हुए मिकी आर्थर

ढाका। रंगपुर राइडर्स ने मिकी आर्थर को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। 56 वर्षीय आर्थर ग्लोबल सुपर लीग से फ्रैंचाइज की कमान संभालेंगे, जो 26 नवंबर से शुरू हो रही है। वह इस सीजन के बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दौरान रंगपुर टीम के प्रभारी भी होंगे। आर्थर ने हाल ही में लंका प्रीमियर लीग में दांबुला ऑरा टीम के साथ काम किया है। वह वर्तमान में डर्बीशायर के क्रिकेट निदेशक भी हैं। आर्थर इससे पहले दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और पाकिस्तान के मुख्य कोच रह चुके हैं। रंगपुर टीम के निदेशक शानियान तनीम ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमने इस साल जीएसएल और बीपीएल के लिए मिकी आर्थर को अनुबंधित किया है। यह एक साल का करार है। वह इस साल इन दो टूर्नामेंटों के लिए हमारी देखभाल करेंगे। स्थानीय खिलाड़ी उनके द्वारा प्रशिक्षित होने के लिए वास्तव में उत्साहित हैं। हम जीएसएल और बीपीएल के लिए टीम बनाने के लिए पिछले सात-आठ दिनों से मिकी के संपर्क में हैं। वह बहुत सक्रिय हैं, हमेशा खुशी-खुशी हमारी मदद करते हैं। मुझे लगता है कि वह रंगपुर राइडर्स की संस्कृति के लिए एकदम सही हैं। वह बहुत मिलनसार व्यक्ति हैं। वह विशेष रूप से बांग्लादेशी क्रिकेटरों के लिए बहुत फायदेमंद होंगे। उनके पास बहुत अनुभव है। वह पहले ही श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान जैसी कई अंतरराष्ट्रीय टीमों की देखभाल कर चुके हैं। आर्थर इससे पहले भी बीपीएल में कोचिंग कर चुके हैं, 2015 में उन्होंने ढाका डायनामाइट्स की टीम को कोचिंग दी थी।

गली कूचों से लेकर खो खो विश्व कप तक, सपने जैसा रहा है प्रतीक वाईकर का सफर

नई दिल्ली।
नई दिल्ली में 13 से 19 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले खो-खो विश्व कप के उद्घाटन संस्करण के साथ दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी एक नई चुनौती के लिए कमर कस रहे हैं। मेजबान भारत अपने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों पर भरोसा करेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ट्रॉफी अपने पहले संस्करण में ही घर में रहे। ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं, एकलव्य पुरस्कार विजेता प्रतीक वाईकर, जिन्होंने 2016 में भारत के लिए डेब्यू किया था और तब से लेकर आज तक टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करते आ रहे हैं।

प्रतीक ने आठ साल की कम उम्र में खो-खो खेलना शुरू कर दिया था। इसका श्रेय उनके परिवार की खेलों में पृष्ठभूमि को जाता है। हालाँकि उन्होंने भारत के एक अन्य खेल लंगड़ी से शुरुआत की थी लेकिन उस समय महाराष्ट्र में जन्मे इस खिलाड़ी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनका भविष्य कैसा होगा और वे देश के सर्वश्रेष्ठ खो-खो खिलाड़ियों में से एक बनेंगे।

अपने शुरुआती सफ़र के बारे में बात करते हुए प्रतीक ने अपने पड़ोसी के साथ हुई एक घटना को याद किया, जिसने उन्हें खो-खो खिलाड़ी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, मैं जिस इलाके में रहता था, वहाँ अच्छे खो-खो खिलाड़ी थे। मेरे घर के सामने एक बेहतरीन खिलाड़ी रहता था। जब मैं बहुत छोटा था, तो उसे एक प्रतिष्ठित महाराष्ट्रीयन पुरस्कार - शिवाजी पुरस्कार - से सम्मानित किया गया था और मैंने देखा कि ढोल और ताशा बजाते हुए उसका स्वागत किया गया था। इन दृश्यों ने मुझे वास्तव में प्रेरित किया और मैंने खो-खो खेलना शुरू कर दिया।

हालाँकि, इस खेल सफ़र में उन्हें अपनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा क्योंकि उस समय उनका परिवार आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहा था, जिससे उनके लिए अन्य खेलों या करियर को तलाशने के अवसर सीमित हो गए थे। अंडर-18 श्रेणी में उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत, उन्हें जल्द ही टैलेंट कोटा के तहत नौकरी की पेशकश की गई, जिससे उनके परिवार की परिस्थितियों में सुधार हुआ।

प्रतीक ने बताया, अंडर-18 स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के बाद, मुझे महाराष्ट्र इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड में नौकरी की पेशकश की गई और उन्होंने मुझे अपनी टीम में शामिल करने की इच्छा जताई। यह सीधी भर्ती थी। मेरा परिवार बहुत खुश था कि 19 साल की उम्र में मुझे मेरी पहली नौकरी मिल गई। मेरे भाई ने भी कुछ साल पहले सेंट्रल रेलवे द्वारा खो-खो खेलने के लिए चुने जाने के बाद काम करना शुरू किया था। वह भी एक बेहतरीन खिलाड़ी था और मेरी प्रेरणा था। मैं हमेशा से उसके जैसा खेलना चाहता था। उसकी सजगता बहुत तेज थी और उसे अंडर-18 के बाद टैलेंट कोटा के तहत नौकरी भी मिल गई थी। इसलिए हमारी आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगा।

अपने परिवार के लिए आय का एक नियमित स्रोत मिलने के बाद, प्रतीक ने खो-खो में अपना नाम बनाने का प्रयास शुरू किया। उन्होंने अल्टीमेट खो-खो लीग में तेलुगु योद्धा का नेतृत्व किया और उपविजेता रहे। उन्होंने हाल ही में 56वीं सीनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप में महाराष्ट्र टीम का प्रतिनिधित्व किया और प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। कंप्यूटर साइंस में स्नातक की डिग्री और फाइनेंस में मास्टर डिग्री रखने वाले इस खिलाड़ी ने दो दशकों से भी ज्यादा समय से भारतीय खो-खो इकोसिस्टम का हिस्सा रहे हैं। खेल के बारे में अपने समृद्ध ज्ञान के साथ, प्रतीक ने यह भी बताया कि कैसे खो-खो में खेल विज्ञान की शुरूआत ने हाल के वर्षों में उनकी मदद की है, जो उनके करियर के बड़े हिस्से में गायब था।

खेल विज्ञान तकनीक की सराहना करते हुए प्रतीक ने कहा, खेल विज्ञान तकनीक ने एक बेहतरीन तकनीक विकसित की है जो हमारे शरीर का पूरा आकलन करती है। हमने जाना कि कौन सी मांसपेशियों का ज़्यादा इस्तेमाल हो रहा है और कौन सी मांसपेशियों का पूरी क्षमता से इस्तेमाल नहीं हो रहा है। इससे हमें पता चला कि हम अपने खेल में कितनी प्रगति कर सकते हैं और हम अपने मौजूदा स्तर से कैसे बेहतर हो सकते हैं। यह सब खेल विज्ञान तकनीक का उपयोग करके गणना की गई।

विश्व कप की शुरुआत में बस कुछ ही महीने बचे हैं, ऐसे में सभी की नज़रें प्रतीक पर होंगी कि क्या वह वाकई इतने सालों से मैट पर हासिल की गई सफलता को एक बार फिर दोहरा पाते हैं या नहीं ।

स्पिनरों के खिलाफ आजकल सहज नजर नहीं आते हमारे बल्लेबाज : हरभजन

नई दिल्ली।
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि टीम के प्रमख बल्लेबाज पिछले कुछ समय से स्पिनरों का सही तरीके से सामना नहीं कर पा रहे जिससे उनका मनोबल भी कमजोर हुआ है। हरभजन के अनुसार टर्निंग पिचों पर बल्लेबाज स्पिनरों के खिलाफ सहज नजर नहीं आते हैं। इससे इनका बल्लेबाजी औसत भी नीचे आया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे की टर्निंग पिच पर भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों के सामने टिक नहीं पाये थे। ऐस में न्यूजीलैंड के मुख्य स्पिनर मिशेल सैंटनर को 13 विकेट मिले थे।

हरभजन ने कहा, ''हमारा घरेलू मैदान पर लंबे समय तक शानदार रिकॉर्ड रहा है और इसके बाद भी अगर आप हार जाते हैं तो जाहिर है कि आलोचना होगी ही। न्यूजीलैंड जिस तरह से खेला, उसे उसका श्रेय जाता है और ये विदेशी हालात और पिच भी नहीं थी जिसमें ज्यादा दरार हो। '' उन्होंने कहा, ''पुणे में स्पिनरों के लिए अनुकूल हालात थे , जहां गेंद को पहले घंटे से ही टर्न लेना चाहिए था। ''जिससे भारतीय बल्लेबाज दबाव में आ गये। उन्होंने भारतीय टीम की सोचने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा, ''पिछले दशकों के चलन को देखें। हम पिछले दशक में ज्यादातर टर्न लेती पिचों पर इस उम्मीद के साथ खेल रहे हैं कि हम टॉस जीतेंगे और 300 रन बनाएंगे और मैच पर अपना दबदबा बनायेंगे।

वहीं जब ऐसा नहीं होत और दांव उल्टा पड़ जाता है तो टर्निंग पिच पर हमारी बल्लेबाजी चल नहीं पाती । इसका कारण है कि हमारे बल्लेबाजों ने इन पिचों पर खेलने का आत्मविश्वास खो दिया है, इसी कारण बल्लेबाजी धवस्त हुई है। अनुभवी खिलाड़ी तक गलती करते दिखे हैं।

सात साल बाद हांगकांग सिक्सेस की वापसी: पहले दिन भारत-पाकिस्तान होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली।
बहुप्रतीक्षित और खेल का सबसे तेज़ रूप, हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस सभी का मनोरंजन करने के लिए वापस आ गया है। टूर्नामेंट का आयोजन 1 से 3 नवंबर तक टिन क्वांग रोड क्रिकेट ग्राउंड में किया जाएगा, जिसमें 12 टीमें शामिल होंगी, जो सिक्स-ए-साइड मैचों में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

12 टीमों को तीन-तीन के चार पूल में विभाजित किया गया है और वे राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। रॉबिन उथप्पा के नेतृत्व में भारत पूल सी का हिस्सा है और यूएई के साथ उसका चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान भी है।

पूल ए में मेजबान हांगकांग का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड से होगा जबकि पूल बी में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और नेपाल शामिल हैं। पूल डी में श्रीलंका, बांग्लादेश और ओमान के बीच मुकाबला होगा।

टूर्नामेंट की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका और हांगकांग के बीच मैच के साथ होगा, जबकि पहले दिन भारत और पाकिस्तान के बीच भी हाईवोल्टेज भिड़ंत होगी।

प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल खेलेंगी और क्वार्टर फाइनल राउंड के विजेता आगे सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। जो

टीमें क्वार्टर में हारेंगी वे प्लेट सेमीफाइनल खेलेंगी। प्रत्येक पूल में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम बाउल प्रतियोगिता खेलेगी। प्रतियोगिता के तीन दिनों में कुल 29 मैच होंगे।

पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए टूर्नामेंट के अंतिम दिन एक महिला प्रदर्शनी मैच भी निर्धारित किया गया है। हांगकांग सिक्सेस 2024 के सभी रोमांचक मैचों का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स और फैनकोड पर किया जाएगा। प्रसारण सुबह 8:15 बजे (हांगकांग समय) और सुबह 5:45 बजे (भारतीय समयानुसार) किया जाएगा।

लंका टी10 सुपर लीग के लिए प्लेयर ड्राफ्ट 10 नवंबर को

कोलंबो।
लंका टी10 सुपर लीग के उद्घाटन संस्करण के लिए प्लेयर ड्राफ्ट 10 नवंबर, 2024 को कोलंबो में होगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन 12 से 22 दिसंबर तक किया जाएगा, जिसमें छह फ्रेंचाइजी टीमें शामिल होंगी। क्रिकेट के सबसे तेज प्रारूप में स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रत्येक फ्रेंचाइजी अपनी टीम के लिए अधिकतम 17 खिलाड़ियों और न्यूनतम 15 खिलाड़ियों का चयन करेगी।

खिलाड़ी पंजीकरण की समय सीमा 1 नवंबर और खिलाड़ी के हस्ताक्षर करने की समय सीमा 5 नवंबर को समाप्त हो रही है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को प्रत्येक श्रेणी से सीधे छह खिलाड़ियों-एक आइकन खिलाड़ी, एक प्लैटिनम खिलाड़ी, एक श्रेणी ए खिलाड़ी श्रीलंका से, और एक विदेशी खिलाड़ी, इसी तरह श्रेणी बी से, एक स्थानीय और एक विदेशी खिलाड़ी को अनुबंधित करने की अनुमति है।

ड्राफ्ट में 11 राउंड होंगे, पहले राउंड का निर्णय मैन्युअल ड्रा द्वारा किया जाएगा और शेष राउंड पिक ऑर्डर के लिए रैंडमाइज़र द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

पहले दो राउंड में, दो शीर्ष स्तरीय खिलाड़ियों - एक श्रीलंकाई और एक विदेशी - का चयन किया जाएगा, प्रत्येक की कीमत 35,000 अमेरिकी डॉलर (श्रेणी %ए%) होगी। तीसरे और चौथे राउंड में 2 अन्य खिलाड़ी, एक श्रीलंकाई और एक विदेशी, प्रत्येक को 20,000 अमेरिकी डॉलर (श्रेणी %बी%) पर चुना जाएगा।

राउंड 5 से 7 में, फ्रेंचाइजी दो श्रीलंकाई खिलाड़ियों और एक विदेशी खिलाड़ी को चुन सकती हैं, प्रत्येक की कीमत 10,000 अमेरिकी डॉलर (श्रेणी सी) तय की जाएगी।

राउंड 8 में 2,500 अमेरिकी डॉलर के लिए एक श्रीलंकाई उभरते खिलाड़ी का चयन करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जबकि राउंड 9 में जिम्बाब्वे या वेस्ट इंडीज से एक उभरते खिलाड़ी का चयन किया जाएगा (2,500 अमेरिकी डॉलर)।

श्रीलंका क्रिकेट के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने कहा, मुझे विश्वास है कि लंका टी10 सुपर लीग का पहला ड्राफ्ट एक रोमांचक और मनोरंजक टूर्नामेंट के लिए मंच तैयार करने जा रहा है, जो श्रीलंकाई क्रिकेट कैलेंडर में रंग जोड़ेगा और हमारे खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए यह एक नया अनुभव लाएगा।

आईपीजी के प्रबंध निदेशक, सीईओ और संस्थापक, अनिल मोहन ने कहा, मुझे यकीन है कि खिलाड़ियों का ड्राफ्ट सफल होगा और खेले जाने वाले क्रिकेट के प्रकार के अनुरूप खिलाड़ियों के एक ठोस समूह का चयन करने के लिए मंच तैयार करेगा।

लंका टी10 सुपर लीग की टूर्नामेंट निदेशक सामंथा डोडनवेला ने कहा, क्रिकेट को विकसित होने की जरूरत है, और लंका टी10 सुपर लीग निश्चित रूप से हमारे देश में खेल को नई सीमाओं तक पहुंचाने में मदद करेगी, जिससे प्रशंसकों की एक नई लहर आएगी।

मैथ्यू वेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, कोचिंग की ओर बढ़ाया कदम

विकेटकीपर-बल्लेबाज बीबीएल और अन्य फ्रेंचाइजी टी20 टूर्नामेंट खेलना जारी रखेंगे

नई दिल्ली।
मैथ्यू वेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है और वह अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए तुरंत ही ऑस्ट्रेलिया के साथ कोचिंग की भूमिका में आ जाएंगे।

वेड जून में टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की टीम का हिस्सा थे और सितंबर में यूके दौरे के लिए उनकी अनदेखी किए जाने के बाद यह उम्मीद की जा रही थी कि यह टूर्नामेंट उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत होगा। मार्च में उन्होंने शेफील्ड

शील्ड फाइनल में तस्मानिया की जीत के बाद लाल गेंद वाले क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

वेड होबार्ट हरिकेंस और दुनिया भर के कुछ फ्रैंचाइज़ टूर्नामेंट के लिए बीबीएल में खेलना जारी रखेंगे। वह अब ऑस्ट्रेलिया की युवा टी20 टीम के साथ भी काम करेंगे, जिसके कोच आंद्रे बोरोवेक होंगे, जबकि एंड्रयू मैकडोनाल्ड और उनके अन्य सहायक भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ की तैयारी करेंगे। वेड एकदिवसीय सीरीज़ के दौरान अनौपचारिक क्षमता में ऑस्ट्रेलिया के कोचिंग समूह के साथ भी समय बिताएंगे।

वेड ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, मुझे पूरी तरह से पता था कि पिछले टी20 विश्व कप के बाद मेरे अंतरराष्ट्रीय दिन शायद खत्म हो गए थे। पिछले छह महीनों में जॉर्ज [बेली] और एंड्रयू [मैकडोनाल्ड] के साथ मेरी अंतरराष्ट्रीय सेवानिवृत्ति और कोचिंग के बारे में लगातार बातचीत होती रही है। कोचिंग पिछले कुछ सालों से मेरे रडार पर रही है और शुक्र है कि मुझे कुछ बेहतरीन अवसर मिले हैं, जिसके लिए मैं बहुत आभारी और उत्साहित हूं।

कुल मिलाकर, वेड ने 2011 से 2024 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 36 टेस्ट, 97 वनडे और 92 टी20 मैच खेले। वह 2021 में यूएई में उनके टी20 विश्व कप खिताब में एक प्रमुख व्यक्ति थे, जहां वह पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 17 गेंदों पर नाबाद 41 रन बनाकर फिनिशर बने।

उन्होंने कहा, मेरे अंतरराष्ट्रीय करियर के खत्म होने के साथ ही मैं अपने सभी ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथियों, स्टाफ और कोचों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुनौतीपूर्ण सफर का आनंद लिया। मेरे आस-पास अच्छे लोगों के बिना मैं खुद से इतना कुछ हासिल नहीं कर पाता जितना मैंने किया। मैं अपने परिवार, मां, पिता और बहनों को भी धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझे खेलों और प्रशिक्षण में लाने के लिए वर्षों तक अनगिनत घंटे लगाए। अंत में जूलिया और बच्चों का भी आभार। मैं उन्हें मेरे सपनों को पूरा करने के लिए किए गए त्यागों के लिए पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकता। मैं उनके प्रति कितना आभारी हूं, यह शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, उनके समर्थन के बिना यह सब कुछ संभव नहीं हो पाता। वेड का टेस्ट करियर 2021 में भारत के पिछले दौरे के दौरान समाप्त हो गया, जब उन्होंने 2019 एशेज के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में टीम में सफल वापसी की थी, जहाँ उन्होंने दो शतक बनाए थे। उनका आखिरी वनडे भी 2021 में आया था, जब वे कोविड काल में वेस्टइंडीज के दौरे के दौरान चार साल के अंतराल के बाद टीम में लौटे थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने कहा, मैथ्यू को एक शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बधाई, जिसके दौरान उनके कौशल और बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें सभी प्रारूपों में एक उत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता बना दिया है। मुझे खुशी है कि वह अगली पीढ़ी के सितारों को कोचिंग देकर और होबार्ट हरिकेंस के साथ बिग बैश में चमकते हुए अपने बड़े योगदान में इजाफा करेंगे।

मिलावटी मिठाई की करें पहचान

हो जाएं सावधान

हर्ष एवं उल्लास के त्योहार दीपावली पर घर रंग-बिरंगी लाइटों से नहा उठता है तो वहीं लोग एक-दूसरे के घर मिठाई भेजने के साथ ही खिलाकर खुशियां साझा करते हैं। रोशनी के त्योहार की बधाई देते हैं लेकिन अगर घर में मिलावटी खाद्य सामग्री जैसे खोवा, पनीर, दूध और मिठाई व अन्य सामान पहुंच गया तो खुशी को गम में बदलते देर नहीं लगेगी। लिहाजा खोवा, पनीर, मिठाई आदि से पटे बाजार में असली-नकली की पहचान करके ही खरीदारी करें। पहचान कैसे करें इसकी आसान विधि हम आपको बताएंगे... घटिया किस्म का मिल्क पाउडर, टेलकम पाउडर, चूना, चाक और सफेद केमिकल्स, दूध में यूरिया, डिटर्जेंट पाउडर और घटिया क्वालिटी का वनस्पति घी मिलाकर नकली खोवा बनाया जाता है। सिंथेटिक दूध बनाने के लिए मामूली वाशिंग पाउडर, रिफाइंड तेल, पानी और शुद्ध दूध को मिलाया जाता है। इस विधि से एक लीटर शुद्ध दूध से 20 लीटर सिंथेटिक दूध बनकर तैयार हो जाता है और इसी से खोवा/मावा तैयार होता है। कुछ लोग मावा में शकरकंद, सिंघाड़े का आटा, मैदा या आलू भी मिलाते हैं। वजन बढ़ाने के लिए आलू और स्टार्च मिलाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक होता है। असली खोवा में प्राकृतिक चिकनाई होती है, जिसकी वजह से इसे रगड़ने पर यह चिकना और थोड़ा दानेदार महसूस होगा। इसके विपरीत नकली खोवा में आर्टिफिशियल चीजों की मिलावट होती है, जो इसे रबड़ जैसा बना देती है। रगड़ने पर यह खिंचता है और इसमें रासायनिक पदार्थों की तीखी गंध भी आती है। खोवा में मिलावट की जांच के लिए आयोडीन टेस्ट कारगर तरीका है। मावे में स्टार्च की मिलावट का पता लगाने के लिए गर्म पानी में खोवा का एक टुकड़ा डालें और उसमें आयोडीन की कुछ बूंदें मिलाएं। अगर मिश्रण नीला हो जाता है, तो इसका मतलब है कि खोवा में स्टार्च मिला है। बाजार से खोवा खरीदते वक्त आप इसे चखकर भी देख सकते हैं। असली खोवा मुंह में डालते ही पिघल जाता है और इसमें दूध की प्राकृतिक मिठास महसूस होती है। वहीं नकली खोवा में आर्टिफिशियल चीजें मिलाई गई होती हैं जिसकी वजह से यह मुंह में चिपकता है और स्वाद में फीका होता है। असली और नकली खोवा को पहचानने का एक और तरीका है। खोवा की छोटी-छोटी गोलियां बनाने पर असली खोवा से बनी गोलियां मजबूत होंगी और यह टूटेंगी भी नहीं। लेकिन अगर गोलियां टूट जाती हैं या इन्हें बार-बार गोल करने पर भी दरार पड़ जाती है तो समझ जाइए इसमें मिलावट की गई है। किसी चिकनी सतह पर दूध की कुछ बूंदें गिराएं। अगर ये बूंदें बगैर निशान छोड़े तेजी से आगे बढ़ जाएं तो इनमें पानी मिला हुआ है। वहीं दूध अगर शुद्ध होगा तो बूंदें धीरे-धीरे बढ़ेंगी और सफेद धब्बा छोड़ जाएंगी। दही, रबड़ी, खोवा, छेना, पनीर एवं इससे बनी मिठाइयों में स्टार्च की मिलावट को पहचानने के लिए दूध का सैंपल टेस्ट ट्यूब में भरें। उसमें 20 एमएल पानी डालकर उबालें। ठंडा होने पर इसमें दो बूंद आयोडीन डालें। अगर सैंपल का रंग नीला हो जाता है तो इसमें स्टार्च मिला हुआ है। एक टेस्ट ट्यूब (परखनली) में थोड़ा सा दूध और सोयाबीन का पाउडर मिलाकर पांच मिनट बाद इसमें लाल लिटमस पेपर डुबाने पर यदि पेपर का रंग नीला हो जाए तो समझ लें कि दूध में यूरिया मिली हुई है। टेस्ट ट्यूब में बराबर अनुपात में एक चम्मच पिघला हुआ घी या मक्खन व सांद्र

हाइड्रोक्लोरिक अम्ल मिलाएं और एक चुटकी चीनी मिलाने पर लाल रंग की परत दिखाई दे, तो समझ जाएं कि वनस्पति घी मिला हुआ है। मिठाई का एक छोटा-सा टुकड़ा तोड़कर पानी में डालकर देखें। अगर पानी का रंग बदल जाता है, जैसे कि पीला या गुलाबी हो जाता है, तो इसका मतलब है कि मिठाई में हानिकारक रंग मिलाया गया है। अगर पानी में झाग आता है, तो यह संकेत है कि मिठाई में डिटर्जेंट या अन्य केमिकल मिलाया गया है। अगर पानी की सतह पर तेल की परत बन जाती है, तो यह संकेत है कि मिठाई में वनस्पति तेल या अन्य तेल मिलाया गया है। मिठाई का एक छोटा टुकड़ा लें और इसे आग पर रखकर देखें। असली मिठाई धीरे-धीरे पिघलेगी और इसे जलने में थोड़ा समय भी लगेगा। अगर मिठाई असली है तो इसमें से काला धुआं नहीं निकलेगा। जबकि मिलावटी मिठाई जल्दी पिघल जाएगी। काला धुआं भी निकलेगा। असली पनीर का स्वाद थोड़ा क्रीमी होता है। क्योंकि पनीर दूध से बनाया जाता है तो इसमें सिर्फ दूध का ही स्वाद आता है। पनीर का थोड़ा सा टुकड़ा लेकर हाथों से मसलें। अगर यह भुरभुरे रूप में आ जाता है, तो इसका मतलब यह नकली है। असली पनीर भुरभुरा नहीं होता है। नकली पनीर की बनावट थोड़ी हार्ड होती है और वह रबड़ की तरह होता है वहीं असली पनीर मुलायम और स्पंजी होता है। खरीदते वक्त इसे हल्का दबाकर चेक कर सकते हैं कि वो असली है या नकली। पनीर के एक छोटे से टुकड़े को करीब पांच मिनट पानी में उबालें। ठंडा होने के बाद इस पर आयोडीन टिंचर की कुछ बूंदें डालें। पनीर का रंग अगर नीला हो जाता है, तो इसका मतलब है कि वह सिंथेटिक दूध से बना हुआ है। मिक्सी में थोड़ी सी अरहर दाल पीसकर उसका पाउडर बना लें। पनीर का टुकड़ा लें और उसे उबाल लें। ये जब ठंडा हो जाए, तो इसे दाल पाउडर में लपेटें और 10 मिनट तक साइड में रख दें। पनीर का रंग अगर लाल सा हो जाए तो समझ जाएं कि इसमें डिटर्जेंट या यूरिया मौजूद है। अपनी उंगलियों से मिठाई के ऊपर लगी चांदी की परत को पोछने की कोशिश करें। अगर अवशेष उंगलियों पर चिपकते हैं, तो इसका मतलब है कि चांदी की परत में एल्युमिनियम की मिलावट है। मिठाई से चांदी की एक परत हटाकर उसे जलाएं या गर्म करें। अगर असली चांदी होगी तो गल कर गेंद में बदल जाएगी और अगर मिलावटी होगी तो काली हो जाएगी। क्योंकि एल्युमिनियम भूरे काले रंग की राख में बदल जाती है। अपनी हथेलियों के बीच चांदी की परत को रगड़ें अगर यह चांदी है, तो गायब हो जाएगी। लेकिन अगर इसमें एल्युमिनियम की मिलावट है, तो यह एक छोटी सी गेंद बन जाएगी।

कम खर्च में भी हो सकती है दीवाली की सजावट

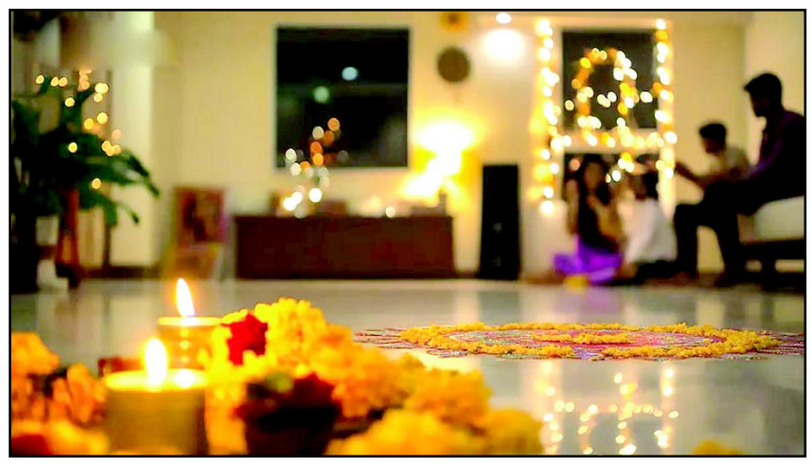

दीवाली के मौके पर हर कोई अपने घर को एक खूबसूरत और आकर्षक लुक देना चाहता है। इंटीरियर डिजाइनिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन महंगे इंटीरियर डिजाइनर से सलाह लेना हर किसी के लिए मुमकिन नहीं होता है। ऐसे में, इस दीवाली क्या आप भी अपने घर को एक नया लुक देना चाहते हैं लेकिन बजट या समय की कमी के कारण परेशान हैं? अगर हां, तो घबराइए मत! हम आपको कुछ आसान और किफायती तरीके बताएंगे जिनकी मदद से आप कम खर्च और कम समय में अपने घर को खूबसूरत बना सकते हैं। आइए जानें। घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए मेन गेट को सजाना बेहद जरूरी है। आप फूलों से बनी रंगोली, मिट्टी के बर्तन या लकड़ी की नक्काशी से बने अट्रैक्टिव पीस का इस्तेमाल कर सकते हैं। अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करके आप अपने घर के एंट्री गेट को एक शानदार लुक दे सकते हैं। अगर आपको सिलाई, बुनाई या पेंटिंग का थोड़ा बहुत भी अनुभव है, तो आप अपने पुराने पर्दों को एक नया रूप देकर अपने घर को सजा सकते हैं। इंटरनेट पर ढेर सारे आकर्षक डिजाइन उपलब्ध हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद के अनुसार पर्दों पर उतार सकते हैं। आप पर्दों पर हाथ से पेंटिंग कर सकते हैं, या फिर उन पर कढ़ाई या बुनाई कर सकते हैं। ये हाथ से बने पर्दे आपके घर को एक अनोखा और खूबसूरत लुक देंगे। घर के दरवाजे और खिड़कियां किसी भी घर की शोभा बढ़ा सकते हैं। इन्हें नए रंगों में पेंट करके आप अपने घर को एक नया रूप दे सकते हैं। आप मुख्य रंग के साथ-साथ किनारों पर एक अलग रंग का इस्तेमाल करके एक आकर्षक कॉन्ट्रास्ट बना सकते हैं। इससे आपके घर का लुक और भी खूबसूरत हो जाएगा। घर की सजावट में मोमबत्तियां एक किफायती और बढ़िया तरीका हैं। एक तिकोनी टेबल पर अलग-अलग रंगों और आकारों की मोमबत्तियां रखकर आप अपने घर के किसी भी कोने को एक अट्रैक्टिव कॉर्नर में बदल सकते हैं। मोमबत्तियों की चमक आपके घर को एक शांत और आरामदायक माहौल देने का काम करेगी। अपने घर को नेचुरल टच देने के लिए बाज़ार में मौजूद खूबसूरत पौधों को चुनें। इन पौधों को खूबसूरत गमलों या कांच के बर्तनों में सजाकर आप अपने घर की रौनक बढ़ा सकते हैं। ये पौधे न केवल आपके घर की सुंदरता में चार चांद लगाएंगे, बल्कि आपके जीवन में भी सकारात्मक ऊर्जा भरेंगे।

सरकारी नौकरी दीपावली और छुट्टियां

संतोष उत्सुक

बढ़ते निजीकरण के जमाने में भी सरकारी नौकरी की चाहत कम नहीं होती। पति पत्नी दोनों सरकारी नौकरी में हों तो सोना ही सोना। पति की पोस्टिंग शहर के आस पास हो और पत्नी की पोस्टिंग घर के अडोस पड़ोस में ही हो तो मानव जीवन सफल हो जाए। पोस्टिंग का प्रबंधन भी तन मन धन को घुमा फिराकर हो ही जाता है। क्या बात है जी, सरकारी नौकरी की। उन लोगों से क्या लेना जिनके परिवार से एक भी व्यक्ति सरकारी नौकरी में नहीं है। दीपावली के दिनों में सरकारी नौकरी वालों को काफी फायदा होता है। उन्हें वे लोग भी अच्छे नहीं लगते जो कहते रहते हैं कि सरकारी नौकरी में एक परिवार से एक ही बंदा होना चाहिए। सरकार के खास विभाग वालों को दीपावली के दिनों में ज्यादा फायदा होता है। अनुमान लगाए जा रहे होते हैं कौन सम्बन्ध के न गिरने वाले पुल बनाता है। कई बार दो दो जगह से हवाई जहाज की टिकटें उपहार में आ जाती हैं तो बांछें खिल जाती हैं। अधिक उपहार आ जाने से उन्हें संभालने की परेशानी होती है। मन इतना खुला होता नहीं कि मिले हुए उपहार दूसरों को दे दें। दीपावली के बाद आराम से बैठकर अगले साल होने वाली छुट्टियों में घूमने की योजना बनाई जा सकती है। छुट्टियां सरकार देती ही है। दीपावली की तैयारियों के दौरान छुट्टियों की लिस्ट आ जाए तो ध्यान उस तरफ चला ही जाता है। अवकाश प्रिय देश में रहने वाले लोग कितने भी व्यस्त हों छुट्टी बारे जानने बारे बेहद उतावले रहते हैं। वह बात दीगर है कि प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करने वालों को वास्तव में पता होता है कि छुट्टी क्या होती है और कितनी मुश्किल से मिलती है। अगले साल होने वाली छुट्टियों की लिस्ट ने इस बार दीपावली से पहले आकर, भविष्य के आनंद की गणना बिगाड़ दी है। अगले साल सात सरकारी छुट्टियां रविवार को हैं। अगर यही अवकाश दूसरे वार को होते तो कितना आनंददायक होता। चार वैकल्पिक अवकाश भी रविवार को आ रहे हैं यह भी गलत है। यह ठीक है कि कुछ छुट्टियां शुक्रवार या शनिवार को भी हैं जिनसे एक छुट्टी लेकर कई छुट्टियां एक साथ हो सकती हैं। कई त्यौहारों या जन्मदिन का अवकाश शनिवार या सोमवार को रहता है तो अच्छा लगता है। दूसरे शनिवार को भी कोई छुट्टी घोषित हो तो बुरा लगता है क्योंकि पहले ही अवकाश होता है। सरकार इतने काम मनमाने तरीके से करती है। छुट्टियां उचित तरीके से नहीं करती। कुछ छुट्टियों का दिन बदल दे तो वोट बैंक बढेगा। काफी समझदार लोगों का कहना है कि चाहे कोई त्योहार या दिवस दूसरे शनिवार या रविवार को पड़ रहा हो उसकी सरकारी छुट्टी किसी और वार को देनी चाहिए जिस दिन पहले से छुट्टी न हो।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**